जी-20 के नेताओं की घोषणा

सितंबर, 2013

विषय सूची

प्रस्तावना 3

वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास के लिए जी-20 रूपरेखा 5

बेहतरीन नौकरियों के माध्यम से विकास 7

निवेश के लिए वित्त पोषण 10

बहुपक्षीय व्यापार में वृद्धि 11

आधार क्षरण एवं लाभ शिफ्टिंग का समाधान, कर परिहार से निपटना तथा कर पारदर्शिता एवं सूचना के स्वत: आदान - प्रदान को बढ़ावा देना 12

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय वास्तुशिल्प 14

वित्तीय विनियम 15

आज तक की उपलब्धियां तथा आगे का रास्ता 15

ऐसी वित्तीय प्रणाली की ओर अग्रसर होना जो मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित आर्थिक विकास में मददगार हो 16

लोचपूर्ण वित्तीय संस्थाओं का निर्माण तथा "टू बिग टु फेल" को समाप्त करना 17

पारदर्शी, सतत रूप से काम करने वाले वित्तीय बाजारों को बढ़ावा देना 17

शैडो बैंकिंग द्वारा प्रस्तुत जोखिमों का समाधान करना 18

धन शोधन एवं आतंकवाद के वित्त पोषण से निपटना 19

वित्तीय समावेशन, वित्तीय समीकरण, उपभोक्ता संरक्षण 19

सबके लिए विकास को बढ़ावा देना 20

संपोषणीय ऊर्जा नीति तथा वैश्विक जीन्स बाजार की लोच 23

जलवायु परिवर्तन के विरूद्ध लड़ाई को आगे बढ़ाना 25

भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई को तेज करना 25

उपसंहार 27

जी-20 के नेताओं की घोषणा

सेंट पीटर्सबर्ग शिखर बैठक

5-6 सितंबर, 2013

प्रस्तावना

1. वैश्विक अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए साथ मिलकर काम करने की अपनी सतत प्रतिबद्धता से एकजुट जी-20 के हम सभी नेताओं ने 5-6 सितंबर, 2013 को सेंट पीटर्सबर्ग में बैठक की।

2. विकास को सुदृढ़ करना तथा नौकरियों का सृजन करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा हम नौकरी समृद्ध, मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास के पथ पर वापस लौटने के लिए निर्णायक कदम उठाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

3. जब हमारी पहली बैठक हुई थी उसके बाद से 5 वर्षों में जी-20 द्वारा उठाया गया समन्वित कदम वित्तीय संकट से निपटने एवं विश्व अर्थव्यवस्था को समुत्थान के पथ पर लाने में बहुत कारगर रहा है। परंतु हमारा काम अभी तक पूरा नहीं हुआ हैऔर हमारे बीच इस बात पर सहमति हुई कि आधुनिक इतिहास में सबसे लंबे एवं सबसे बड़े आर्थिक संकट से बाहर निकलने के स्थायी तरीके का निर्माण करने पर अपने सभी संयुक्त प्रयासों को केंद्रित करना जी-20 देशों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

4. हमारी सबसे जरूरी आवश्यकता वैश्विक समुत्थान की गति को तेज करना, अधिक विकास एवं बेहतर नौकरियों का सृजन करना और दीर्घ अवधि के लिए नींव को सुदृढ़ करना तथा ऐसी नीतियों से बचना है जो समुत्थान के रास्ते में रूकावट बन सकती हैं या दूसरे देशों की कीमत पर विकास को बढ़ावा दे सकती हैं।

5. हम समझते हैं कि स्वस्थ एवं संपोषणीय आर्थिक विकास अधिक एवं अनुमेय निवेश, विश्वास एवं पारदर्शिता पर और साथ ही बाजार नीति एवं प्रथा के अंग के रूप में प्रभावी विनियम पर दृढ़ता से आधारित होगा।

6. विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता के रूप में खुली एवं नियमों पर आधारित वैश्विक आर्थिक प्रणाली को फिर से लागू करने के लिए हम संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं। हम प्रमुख वैश्विक आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक रूप से काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं :

- वित्तीय संपोषणीय को सुनिश्चित करते हुए मजबूत समुत्थान प्राप्त करना: आज सेंट पीटर्सबर्ग कार्य योजना पर हमारे बीच सहमति हुई है, जो मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास प्राप्त करने की हमारी रणनीतियों को निर्धारित करती है।

- विशेष रूप से युवाओं में बेरोजगारी तथा अल्प रोजगार: हम बेहतर गुणवत्ता वाली तथा अधिक उत्पादक नौकरियां प्राप्त करने के संकल्प में एकजुट हैं। समन्वित एवं एकीकृत सार्वजनिक नीतियां (सूक्ष्म आर्थिक, वित्तीय, राजकोषीय, शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार, रोजगार एवं सामाजिक संरक्षण) इस लक्ष्य को प्राप्त करने की कुंजी हैं। आज हमने देश विशिष्ट योजनाओं या कार्रवाइयों के समुच्चय के आदान – प्रदान के साथ समावेशी श्रम बाजारों का समर्थन करने के लिए अपने प्रयासों को जारी रखने की प्रतिबद्धता की तथा अपनी भिन्न – भिन्न संवैधानिक परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त श्रम बाजार विकसित करने की भी प्रतिबद्धता की।
- आर्थिक विकास, नौकरियों के सृजन एवं विकास को तेज करने के लिए अवसंरचना एवं एस एम ई के लिए निवेश समेत निवेश के लिए दीर्घावधिक वित्त पोषण की अहमियत: आज हमने इस बात का समर्थन किया कि कार्य योजना जिसने निवेश के लिए दीर्घावधिक वित्त पोषण की उपलब्धता एवं सुगमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन करने में हमारी सहायता की तथा सामूहिक एवं देश विशिष्ट उपायों के समुच्चय को लागू करने के लिए पहचान करने एवं शुरूआत करने की प्रतिबद्धता की, जिनसे घरेलू निवेश के हमारे परिवेशों में स्पष्ट रूप से सुधार होगा।
- मुक्त एवं नियमों पर आधारित व्यापार आर्थिक अवसरों में वृद्धि करता है। हम मजबूत बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के निर्णायक महत्व पर जोर देते हैं तथा विश्व व्यापार संगठन के सभी सदस्यों से आह्वान करते हैं कि वे आवश्यक लोच का प्रदर्शन करें और इस साल की बहुपक्षीय व्यापार वार्ता में सफल परिणाम पर पहुंचे। हम संरक्षणवादी उपायों से परहेज करने की प्रतिबद्धता करते हैं तथा क्षेत्रीय व्यापार करार समेत व्यापार में पारदर्शिता में वृद्धि करने का लक्ष्य करते हैं।
- सीमापारीय कर परिहार तथा अपवंचन से हमारे सार्वजनिक वित्त का महत्व घटता है तथा कर प्रणाली की निष्पक्षता में हमारे लोगों का विश्वास कम होता है। आज हमने इन समस्याओं से निपटने की योजनाओं का समर्थन किया तथा कर परिहार, हानिकर प्रथाओं तथा आक्रामक कर आयोजना से निपटने के लिए अपने नियमों में परिवर्तन करने के लिए कदम उठाने की प्रतिबद्धता की।
- हम सहमत हुए हैं तथा हम प्रमुख फाल्ट लाइनों को ठीक करने के लिए व्यापक श्रेणी के वित्तीय सुधारों को लागू कर रहे हैं, जिनसे संकट उत्पन्न हुआ है। हम अधिक लोचपूर्ण वित्तीय संस्थाओं का निर्माण कर रहे हैं, टू बिग टु फेल को समाप्त करने की दिशा में पर्याप्त प्रगति कर रहे हैं, पारदर्शिता एवं बाजार की सत्यनिष्ठा में वृद्धि कर रहे हैं, विनियामक अंतरालों को भर रहे हैं तथा शैडो बैंकिंग से उत्पन्न जोखिमों का समाधान कर रहे हैं। हम अपने नागरिकों की जरूरतों के प्रति अनुक्रियाशील सुरक्षित, विश्वसनीय वित्तीय प्रणाली का निर्माण करने की दिशा में अपना काम जारी रखेंगे।
- जी-20 के देश यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि सभी लोगों को मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास से लाभ प्राप्त करने का अवसर हासिल हो। हम खाद्य सुरक्षा, वित्तीय समावेशन, अवसंरचना, मानव संसाधन विकास तथा घरेलू संसाधन

जुटाने में सुधार के लिए ठोस कदमों पर अपने प्रयासों को केंद्रित करने संबंधी सेंट पीटर्सबर्ग के विकास दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं।

- भ्रष्टाचार से संपोषणीय आर्थिक विकास एवं गरीबी उन्मूलन में रूकावट आती है, वित्तीय स्थिरता एवं समूची अर्थव्यवस्था के लिए खतरा उत्पन्न होता है। हम जी-20 भ्रष्टाचाररोधी कार्य योजना को लागू करने, घरेलू एवं विदेशी घूसखोरी से लड़ने, अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में भ्रष्टाचार से निपटने, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करने तथा भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई में सार्वजनिक निष्ठा एवं पारदर्शिता को बढ़ावा देने संबंधी अपनी प्रतिबद्धता पर कायम रहेंगे। स्थायी एवं समवेत प्रयासों की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए हम सेंट पीटर्सबर्ग सामरिक रूपरेखा का समर्थन करते हैं।
- स्वच्छ, अधिक दक्ष एवं विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्ति के साथ – साथ अधिक पारदर्शी भौतिक एवं वित्तीय जींस बाजार विकसित करने में हम सबकी साझी रूचि है। हम ऊर्जा सहयोग बढ़ाने, ऊर्जा बाजार डाटा को अधिक सटीक एवं उपलब्ध बनाने और बाजारों की दक्षता में वृद्धि करने एवं अधिक संपोषणीय ऊर्जा भविष्य की दिशा में अग्रसर होने के लिए स्वच्छ एवं अधिक दक्ष ऊर्जा प्रौद्योगिकी के विकास में सहायता प्रदान करने के लिए कदम उठाने के लिए प्रतिबद्धता करते हैं। हम जलवायु परिवर्तन से निपटने एवं पर्यावरण का संरक्षण करने के लिए साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं, जो एक वैश्विक समस्या है जिसके लिए वैश्विक समाधान की जरूरत है।
- हम राजकोषीय संपोषणीयता के संदर्भ में अधिक मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास प्राप्त करने के लिए व्यापक विकास रणनीतियों का विकास करना जारी रखेंगे।

7. हमारे बहुत सारे नागरिक ऐसे हैं जिन्हें वैश्विक आर्थिक समुत्थान में अभी हिस्सा लेना है। जी-20 को न केवल मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास के लिए प्रयास करना चाहिए अपितु विकास के अधिक समावेशी पैटर्न के लिए भी प्रयास करना चाहिए जो हमारी समूची आबादी से प्रतिभाओं को बेहतर ढंग से मोबिलाइज करेगा।

8. सहयोग, समन्वय एवं विश्वास ऐसी चीजें हैं जिनके लिए हम प्रयत्न करना जारी रखेंगे।

वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास के लिए जी-20 रूपरेखा

9. हमने अनेक महत्वपूर्ण नीतिगत कदम उठाया है जिनसे प्रमुख पश्च जोखिमों पर रोक लगाने, वित्तीय बाजार की स्थितियों में सुधार लाने तथा समुत्थान को बनाए रखने में सहायता मिली है। संयुक्त राज्य अमरीका में निजी क्षेत्र की मांग में मजबूती आयी है तथा जापान एवं यू के में विकास की रफ्तार तेज हुई है। यूरो क्षेत्र में भी समुत्थान के संकेत मिल रहे हैं। यद्यपि उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में विकास का क्रम जारी है, फिर भी इनमें से अधिकांश देशों में विकास की गति धीमी पड़ गयी है। पिछले वर्ष की तुलना में, 2013 के लिए वैश्विक विकास की संभावनाएं लगातार कम हुई हैं, वैश्विक पुनः संतुलन अधूरा है, विकास में क्षेत्रीय असमानताओं की मात्रा व्यापक है, और

बेरोजगारी, विशेष रूप से युवाओं में बेरोजगारी अभूतपूर्व रूप से उच्च स्तर पर बनी हुई है। हमारी कार्रवाइयों के बावजूद समुत्थान का वेग बहुत कमजोर है तथा जोखिम नीचे की तरफ झुका हुआ है। पिछले कुछ महीनों में वित्तीय बाजार की अस्थिरता में वृद्धि हुई है।

10. हम समझते हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए प्रमुख चुनौतियां इस प्रकार हैं :

- कमजोर विकास तथा बेरोजगारी की निरंतर उच्च दर, विशेष रूप से युवाओं में तथा अनेक अर्थव्यवस्थाओं में अधिक समावेशी विकास की आवश्यकता;
- यूरोप में वित्तीय बाजार का विखंडीकरण और बैंकिंग यूनियन का निर्णायक कार्यान्वयन;
- कुछ उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में विकास की धीमी गति, जो कुछ मामलों में अस्थिर पूंजी प्रवाह के प्रभाव के रूप में परिलक्षित हो रहा है, सख्त वित्तीय स्थितियां तथा जींसों की कीमतों में अस्थिरता, तथा घरेलू संरचना की चुनौतियां;
- अनेक देशों में निजी निवेश की अपर्याप्त मात्रा, अंतत: बाजार में निरंतर अनिश्चितता एवं आंतरिक कठोरताओं के कारण;
- कुछ देशों में अधिक सार्वजनिक ऋण तथा इसकी संपोषणीयता जिसका निकट भविष्य में समुत्थान का समुचित रूप से समर्थन करते समय समाधान करने की जरूरत है, विशेष रूप से ऐसे देशों में जहां सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में वास्तविक एवं प्रक्षेपित ऋण का स्तर सर्वाधिक है;
- विकास के सुदृढ़ीकरण के साथ ही पूंजी प्रवाह की अस्थिरता तथा उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में अंतत: मौद्रिक नीति के रिकैलीब्रेशन की अपेक्षाएं हैं;
- वैश्विक मांग में पुन: संतुलन स्थापित करने के कार्य का पूरा न होना; और
- राजकोषीय नीति पर विचार – विमर्श के बारे में निरंतर अनिश्चितताएं।

11. इन चुनौतियों से निपटने के लिए तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था को अधिक मजबूत एवं अधिक संपोषणीय एवं संतुलित विकास के पथ पर लाने के लिए हमने नए उपायों के साथ अपनी पिछली कार्य योजनाओं को सुदृढ़ किया है, जिन्हें सेंट पीटर्सबर्ग कार्य योजना (अनुबंध) के रूप में प्रतिपादित किया गया है। इस कार्य योजना को तैयार करने का उद्देश्य आर्थिक गतिविधि में तेजी लाना एवं अधिक नौकरियों का सृजन करना, समुत्थान का समर्थन करना और इस नजरिए के लिए निकट भविष्य के जोखिमों का समाधान करना और साथ ही महत्वाकांक्षी एवं अच्छी तरह से लक्षित सुधारों के माध्यम से मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास के लिए नींव को सुदृढ़ करना है। हम साथ मिलकर काम करेंगे और अपनी सभी प्रतिबद्धताओं को समयबद्ध ढंग से लागू करेंगे तथा इस प्रक्रिया की कड़ाई से निगरानी करेंगे।

12. हमारा तात्कालिक फोकस समयबद्ध कार्रवाइयों के साथ विकास एवं रोजगार में बढ़ोत्तरी के लिए परिस्थितियों का सृजन करने पर है जिन्होंने उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में समुत्थान के लक्षणों का निर्माण किया है ताकि संपूर्ण वैश्विक अर्थव्यवस्था के लाभ के लिए इसे टिकाऊ बनाया जा सके।

13. इस संबंध में, यूरो क्षेत्र आर्थिक एवं मौद्रिक एकता की नींव को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता करता है जिसमें बैंकों के तुलनपत्रों को सुदृढ़ करने, वित्तीय विखंडन को कम करने तथा बैंकिंग यूनियन की दिशा में निर्णायक रूप से एवं अविलंब आगे बढ़ने के लिए और प्रयास करना शामिल है। जी-20 के उन्नत देश संपोषणीय सार्वजनिक वित्त के लिए अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए अपनी राजकोषीय रणनीतियों को लागू करने में लोचपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने के लिए सहमत हैं। अधिक वित्तीय स्थिरता की वजह से उभरते बाजार विकास का समर्थन करने एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए सहमत हैं जिसमें मौलिक आधारों में सुधार करने, बाहरी आघातों के प्रति लोच में वृद्धि करने एवं वित्तीय प्रणालियों को सुदृढ़ करने के प्रयास शामिल हैं।

14. मौद्रिक नीति को घरेलू कीमतों को स्थिर बनाए रखने तथा केंद्रीय बैंकों के संबंधित अधिदेशों के अनुसरण में आर्थिक समुत्थान की सहायता करने की दिशा में मोड़ने का कार्य जारी रहेगा। हम उस समर्थन को स्वीकार करते हैं जो हाल के वर्षों में समायोजक मौद्रिक नीतियों की ओर से वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रदान किया गया है जिसमें गैर परंपरागत मौद्रिक नीतियां शामिल हैं। हमें मौद्रिक तरलता की विस्तारित अवधि के जोखिमों एवं अनाशयित नकारात्मक दुष्प्रभावों की जानकारी है। हम यह मानते हैं कि सुदृढ़ीकृत एवं स्थायी विकास के साथ मौद्रिक नीतियों के सामान्य होने की दिशा में एक अपरिहार्य संक्रमण का दौर आएगा। हमारे केंद्रीय बैंकों ने प्रतिबद्धता की है कि मौद्रिक नीतियों में भावी परिवर्तनों को ध्यान से अंशांकित करने एवं स्पष्ट रूप से संप्रेषित करने का कार्य जारी रहेगा।

15. हम इस बात को दोहराते हैं कि वित्तीय प्रवाहों की अत्यधिक अस्थिरता तथा विनिमय दर में अव्यवस्थित उतार – चढ़ाव के आर्थिक एवं वित्तीय स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं, जैसा कि हाल के दिनों में कुछ उभरते बाजारों में देखा गया है। आमतौर पर इन देशों में मजबूत नीतिगत रूपरेखा इन चुनौतियों से बेहतर ढंग से निपटने में उन्हें समर्थ बनाती है। ठोस स्थूल आर्थिक नीतियां, संरचनात्मक सुधार तथा मजबूत विवेकपूर्ण रूपरेखाएं अस्थिरता में वृद्धि से निपटने में सहायता करेंगी। हम वित्तीय बाजार की स्थितियों की ध्यान से निगरानी करना जारी रखेंगे।

16. हम इस बात का सुनिश्चय करने के लिए सहयोग करने हेतु बचन देते हैं कि घरेलू विकास का समर्थन करने के लिए तथा वैश्विक विकास एवं वित्तीय स्थिरता का भी समर्थन करने के लिए नीतियों को लागू किया जाएगा तथा दूसरे देशों पर उनके स्पिल ओवर प्रभावों का प्रबंधन करने के लिए भी नीतियों को लागू किया जाएगा।

17. हम अंतर्निहित मौलिक आधारों को प्रतिबिंबित करने एवं विनिमय दर में स्थायी रूप से विद्यमान गैर संरेखण से बचने के लिए अधिक बाजार निर्धारित विनिमय दर प्रणाली

एवं विनिमय दर की लोच की दिशा में अधिक तेजी से आगे बढ़ने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। हम प्रतिस्पर्धी अवमूल्यन से परहेज करेंगे और प्रतिस्पर्धा के प्रयोजनार्थ अपनी विनिमय दरों को लक्षित नहीं करेंगे। हम संरक्षणवाद के सभी रूपों का विरोध करेंगे तथा अपने बाजारों को खुला रखेंगे।

18. हम राजकोषीय संपोषणीयता सुनिश्चित करने, निवेश में तेजी लाने, उत्पादकता एवं श्रम बल की भागीदारी में वृद्धि करने तथा आंतरिक एवं वाह्य असंतुलनों से निपटने के लिए अभिप्रेत महत्वाकांक्षी एवं लक्षित सुधारों को लागू करके दीर्घ अवधि के विकास की नींव को सुदृढ़ करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

19. उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में राजकोषीय संपोषणीयता का सुनिश्चय करते हुए अधिक मजबूत एवं संपोषणीय समुत्थान प्राप्त करना बहुत बड़ी चुनौती है। जैसा कि हमारेबीच सहमति हुई है, सभी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में विश्वसनीय, महत्वकांक्षी एवं देश विशिष्ट मध्यम अवधि की राजकोषीय रणनीतियों का विकास किया है। निकट भविष्य की आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखने के लिए लोच के साथ इन रणनीतियों को लागू किया जाएगा ताकि जी डी पी के प्रतिशत के रूप में ऋण को संपोषणीय पथ पर रखते हुए आर्थिक विकास एवं नौकरियों के सृजन में सहायता की जा सके। अनेक उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में भी राजकोषीय संपोषणीयता को बढ़ावा देने के लिए अपनी – अपनी रणनीतियों के प्रमुख घटकों को प्रतिपादित किया है।

20. महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों के साथ अधिक तात्कालिक रूप में इन सुधारों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए हमने अधिक संगत, ठोस एवं अच्छी तरह से लक्षित लाइनों के साथ सुधार के अपने एजेंडे को फिर से निर्धारित किया है। सदस्यों ने निवेश में वृद्धि, मौलिक कमजोरियों के समाधान, उत्पादकता एवं प्रतिस्पर्धी क्षमता में वृद्धि, श्रम बल की भागीदारी में वृद्धि, वित्तीय स्थिरता एंव ऋण तक पहुंच में सुधार तथा आंतरिक एवं बाहरी असंतुलनों के समाधान के माध्यम से दीर्घ अवधि में मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास की नींव को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक श्रेणी के सुधारों के लिए प्रतिबद्धता की है। ये सुधार संभावित विकास में सुधार, नौकरी सृजन एवं मांग में पुन: संतुलन स्थापित करने में स्थायी सुधार प्राप्त करने की कुंजी हैं।

21. हम वैश्विक मांग में विस्तृत आधार पर पुन: संतुलन स्थापित करने की दिशा में अधिक प्रगति करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। हालांकि वैश्विक स्तर पर चालू खाते के असंतुलन में गिरावट आई है फिर भी अनेक देशों में महत्वपूर्ण सुधारों पर नजर डालने से पता चलता है कि इस प्रगति का एक बड़ा हिस्सा मांग संकुचित होने के कारण घटित हुआ है। वैश्विक विकास के सुदृढ़ होने के साथ मांग में स्थायी रूप से सुधार का सुनिश्चय करने के लिए हम अतिरेक एवं घाटे वाले देशों के बीच तथा आंतरिक पुन: संतुलन के बीच वैश्विक मांग में पुन: संतुलन स्थापित करने के लिए अपनी नीतियों में और समायोजन करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। इस संबंध में, अधिक अतिरेक वाली अर्थव्यवस्थाओं में

घरेलू मांग में अधिक मजबूत वृद्धि प्राप्त करना, बचत में वृद्धि करना और घाटे में चलने वाली अर्थव्यवस्थाओं में बचत में वृद्धि करना तथा प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ाना एवं अधिक लोचपूर्ण विनिमय दर प्राप्त करना आवश्यक है। हम इन सभी क्षेत्रों में कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा हम नियमित रूप से प्रगति का मूल्यांकन करेंगे।

22. सेंट पीटर्सबर्ग कार्य योजना मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास प्राप्त करने के लिए हमारे सुधारों को प्रतिपादित करती है। इसके अलावा, हमारा जवाबदेही मूल्यांकन उस प्रगति का वर्णन करता है जो हमने अपनी पिछली प्रतिबद्धताओं के संबंध में की है। हम शेष प्रमुख अड़चनों की पहचान करेंगे जिन्हें दूर किया जाएगा तथा उन सुधारों की पहचान करेंगे जो हमारी अर्थव्यवस्थाओं में अधिक मजबूत, अधिक संपोषणीय एवं संतुलित विकास प्राप्त करने के लिए अपेक्षित हैं। हमने अपने वित्त मंत्रियों से कहा है कि वे ब्रिसबेन शिखर बैठक में प्रस्तुत करने के लिए विकास की व्यापक रणनीतियों का विकास करें।

बेहतरीन नौकरियों के माध्यम से विकास

23. हम समावेशी विकास तथा अधिक एवं बेहतरीन नौकरियों को बढ़ावा देने के अपने संकल्प के प्रति एकजुट हैं।

24. अनेक देशों में बेरोजगारी तथा अल्प रोजगार, विशेष रूप से युवाओं में बेरोजगारी प्रमुख चुनौतियों में से एक चुनौती के रूप में बनी हुई है जिसका विश्व अर्थव्यवस्था को सामना करना पड़ रहा है एवं जी-20 के लिए यह सर्वोच्च प्राथमिकता है।

25. अधिक उत्पादन एवं बेहतर गुणवत्ता की नौकरियों का सृजन करना हमारे देशों की नीतियों के केंद्र में है जिनका उद्देश्य मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास प्राप्त करना, गरीबी दूर करना और सामाजिक सामंजस्य में वृद्धि करना है। हमारे बीच इस बात पर सहमति हुई है कि मजबूत एवं अनुकूल स्थूल आर्थिक, व्यापार, निवेश एवं श्रम बाजार की नीतियां, संपोषणीय सार्वजनिक वित्त, स्वस्थ एवं अच्छी तरह से विनियमित वित्तीय प्रणाली तथा लोचपूर्ण एवं प्रभावी सामाजिक संरक्षण तंत्र स्थायी रूप से नौकरी सृजित करने एवं आर्थिक विकास की नींव हैं।

26. अधिक रोजगार का समर्थन करने एवं नौकरियों के सृजन तथा नौकरी के अवसरों के साथ कौशलों में बेहतर तालमेल स्थापित करने के लिए नीतिगत सुधार विकास की हमारी रणनीतियों के केंद्र में हैं। हमने अधिक एवं बेहतरीन नौकरियों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक श्रेणी के कदम उठाने की प्रतिबद्धता की है जो राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप होंगी :

- उत्पाद एवं श्रम बाजारों में विकास के अनुकूल संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से कारोबार के परिवेश में सुधार करना तथा औपचारिक, अधिक उत्पादक एवं पारितोषिक प्रदान करने वाली नौकरियों के सृजन को प्रेरित करना, जिसमें श्रम बाजार की अनुकूलनीयता एवं दक्षता को बढ़ावा देना तथा पर्याप्त श्रम संरक्षण का सुनिश्चय करना एवं उपयुक्त कर व्यवस्था एवं अन्य सरकारी पहलों का सुनिश्चय करना शामिल है जिनकी जरूरत राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुसार हो सकती है।
- लोगों को कौशल की संवहनीयता एवं बेहतर भविष्य प्रदान करने, गतिशीलता में सुविधा प्रदान करने तथा नियोज्यता में वृद्धि करने के लिए अपने लोगों के कौशलों, बेहतरीन शिक्षा तथा जीवनपर्यंत अध्ययन कार्यक्रमों में निवेश करना।
- लक्षित निवेशों को बढ़ावा देना ताकि सुनिश्चित हो कि श्रम बाजार संबंधी अवसंरचना एवं श्रम को सक्रिय करने वाली प्रभावी नीतियां स्थापित हैं जिससे नौकरी ढूंढ़ने वालों की काम की तलाश करने में सहायता की जा सके एवं कम प्रतिनिधित्व वाले एवं अरक्षित समूहों को श्रम बाजार में लाया जा सके एवं अनौपचारिकता में कमी लायी जा सके।
- नौकरी की गुणवत्ता में सुधार करना जिसमें कार्य की स्थितियों, मजदूरी के लिए सौदेबाजी करने की रूपरेखाओं, राष्ट्रीय स्तर पर मजदूरी निर्धारित करने की प्रणालियों तथा सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच के माध्यम से सुधार शामिल है।
- रोजगार के संबंध में देश विशिष्ट योजनाएं या कार्रवाइयों को समुच्चय विकसित करना और हम ब्रिसबेन में प्रगति पर चर्चा करेंगे।

27. वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित विकास प्राप्त करने तथा विश्वास बहाल करने के लिए समन्वित एवं एकीकृत सार्वजनिक नीतियां आवश्यक हैं। हम रोजगार के उच्च स्तरों को सुनिश्चय करने और बेरोजगारी, अल्प रोजगार एवं अनौपचारिक रोजगार में स्थायी गिरावट लाने के लिए काम पर मौलिक सिद्धांतों एवं अधिकारों के लिए पूर्ण सम्मान के साथ उत्पादकता बढ़ाने के साथ ही बेहतरीन नौकरियों के सृजन को बढ़ाना देने के लिए अपनी राष्ट्रीय नीतियों (स्थूल आर्थिक, वित्तीय, राजकोषीय, शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार, रोजगार, सामाजिक संरक्षण) को लामबंद करने, समन्वय करने एवं एकीकृत करने के लिए अपने श्रम एवं रोजगार तथा वित्त मंत्रियों की सिफारिशों का समर्थन करते हैं।

28. पहली बार आयोजित हमारे श्रम एवं रोजगार और वित्त मंत्रियों की संयुक्त बैठक हमारी स्थूल आर्थिक एवं वित्तीय नीतियों के साथ हमारी श्रम, रोजगार एवं सामाजिक नीतियों में समन्वय एवं एकीकरण की दिशा में स्वागतयोग्य कदम है। हम अपने श्रम एवं रोजगार मंत्रियों तथा अर्थव्यवस्था एवं वित्त मंत्रियों से आह्वान करते हैं कि वे बेहतरीन नौकरियों के सृजन एवं नौकरी समृद्ध तथा स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए आपस में तालमेल स्थापित करना जारी रखें। हम आई एल ओ, ओ ई सी डी एवं विश्व बैंक समूह समेत संगत अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को जी-20 देशों के संगत अनुभवों का विश्लेषण करने तथा सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो अधिक एवं बेहतरीन नौकरियों का सृजन करने, स्वयं की औपचारिकता को बढ़ावा देने,

असमानता को कम करने, प्रभावी सामाजिक सुरक्षा का सुनिश्चय करने एवं श्रम बाजार की अनुकूलनीयता का सुनिश्चय करने में जी-20 के श्रम एवं रोजगार मंत्रियों के भावी विचार – विमर्श के लिए निविष्टी के रूप में सबसे सफल रही हैं।

29. युवाओं के रोजगार को बढ़ावा देना एक वैश्विक प्राथमिकता है। हम स्तरीय प्रशिक्षुता एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जहां उपयुक्त है वहां मजदूरी से भिन्न श्रम की लागत कम करके युवाओं को हायर करने, शीघ्र हस्तक्षेप वाले उपायों की दिशा में अग्रसर होने तथा युवाओं के विभिन्न समूहों के लिए नौकरी की तलाश करने में प्रभावी सहायता प्रदान करने और युवा उद्यमशीलता एवं व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करने के लिए फर्मों को नवाचारी तरीके ढूंढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। अनुकूलित रणनीतियां जिसमें युवा गारंटी दृष्टिकोण शामिल हैं, स्कूल एवं विश्वविद्यालय पाठ्यचर्या विकसित करना जो उद्यमशीलता को बढ़ावा दे एवं जी-20 के देशों एवं सामाजिक साझेदारों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान प्रदान में सुविधा प्रदान करे, इस संबंध में महत्वपूर्ण हैं।

30. हम समावेशी श्रम बाजारों की सहायता करने, बेहतर श्रम बाजार संबंधी सूचना तथा प्रभावी रोजगार सेवाओं की सहायता करने से संबंधित अपने प्रयासों में वृद्धि करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो बेरोजगारी, अल्प रोजगार एवं अनौपचारिक रोजगार में स्थायी गिरावट के साथ रोजगार के उच्च स्तरों को प्राप्त करने में योगदान देंगे। हम इस बात पर सहमत हैं कि उपयुक्त श्रम बाजार एवं सामाजिक नीतियां बेहतर सामाजिक सामंजस्य, आर्थिक स्थिरता का सुनिश्चय कर सकती हैं, सकल मांग एवं मध्यम से लेकर दीर्घ अवधि के विकास में सहायता प्रदान कर सकती हैं। स्वस्थ राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा तंत्रों की आवश्यकता है, जो किफायती, प्रभावी, दक्ष एवं सामाजिक दृष्टि से पर्याप्त हो। सामाजिक सुरक्षा की हमारी नीतियों को चाहिए कि वे जरूरत पड़ने पर सहायता प्रदान करके रोजगार एवं नौकरी की तलाश को प्रोत्साहित करे। हम नौकरियों के सृजन एवं श्रमिकों के समामेलन के लिए समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में अपने सबसे महत्वपूर्ण साझेदारों में से एक के रूप में निजी क्षेत्र के साथ – साथ छोटे एवं मझोले आकार के उद्यमों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आई एम एफ के अलावा अन्य संगत अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करते हैं कि वे विकास, रोजगार एवं आय वितरण के क्षेत्र में अपना अनुसंधान जारी रखें।

31. हम इस बात को सुनिश्चत करने के महत्व को स्वीकार करते हैं कि कम प्रतिनिधित्व वाले एवं अरक्षित समूहों को उत्पादक एवं पारितोषिक प्रदान करने वाली नौकरियां ढूंढ़ने के लिए प्रोत्साहन के साथ – साथ सहायता भी प्रदान की जाए। ऐसे समूहों पर निश्चित रूप से विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए जो रोजगार प्राप्त करने या रोजगार में बने रहने में सबसे बड़ी बाधाओं का सामना कर रहे हैं, जैसे कि युवा, महिलाएं, दीर्घ अवधि तक बेरोजगार, कम कौशल वाले श्रमिक, एकल पैरंट्स, विकलांग व्यक्ति तथा बुजुर्ग कामगार। इसलिए हम इन समूहों के लिए अनुकूलित रणनीतियों का

विकास करने एवं सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो नौकरी ढूंढ़ने में सहायता, कार्य अनुभव, सार्वजनिक रोजगार कार्यक्रम, हायरिंग सब्सिडी, सशर्त स्थानांतरण एवं प्रशिक्षण तथा देश की परिस्थितियों के अनुसार रोजगार की बाधाओं में कटौती के माध्यम से उनकी नियोज्यता में सुधार के लिए काम से बाहर लोगों के लिए उपायों के साथ आय सहायता को संयोजित करती हैं। औपचारिक रोजगार प्राप्त करने के लिए रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के वास्ते इन उपायों को अधिक सामान्य प्रयासों के साथ जोड़ा जाना चाहिए। हम अपने श्रम एवं रोजगार मंत्रियों तथा वित्त मंत्रियों से आह्‌वान करते हैं कि वे समावेशी श्रम बाजारों के लिए अच्छी प्रथाओं एवं प्रभावी उपायों की पहचान करने में आई एल ओ, ओ ई सी डी एवं विश्व बैंक समूह की सहायता से इस प्रतिबद्धता को साकार करने एवं सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान – प्रदान करने के लिए साथ मिलकर काम करें।

32. हम अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में हुई प्रगति को सूचित करने तथा प्रभावी नीतियों एवं उपायों के अपने अनुभव को साझा करने के महत्व की पुष्टि करते हैं। हम रोजगार पर जी-20 कार्य बल द्‌वारा तैयार किए गए डाटा बेस को एक महत्वपूर्ण उपकरण मानते हैं, जो सर्वोत्तम प्रथाओं तथा श्रम बाजार एवं रोजगार की चुनौतियों से निपटने के तरीकों को साझा करने में समर्थ बनाता है तथा आर्थिक विश्लेषण एवं निर्णय लेने के लिए सूचना के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में काम करता है। यह विशेष रूप से युवाओं के रोजगार एवं कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण है। हम देश के स्वामित्व वाली एवं देश विशिष्ट निगरानी प्रविधियां विकसित करने के लिए काम करने और इस डाटाबेस का दायरा समेत इस दृष्टिकोण को विस्तृत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। तथा जहां आवश्यक है इस डाटाबेस का प्रयोग करने और अपने देश के स्वामित्व वाली एवं देश विशिष्ट नीतियों का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

33. हम बी-20 एवं एल-20 के योगदान की सराहना करते हैं तथा विकास, रोजगार एवं सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देने संबंधी जी-20 के उद्देश्यों को प्राप्त करने के साधन के रूप में सामाजिक वार्ता की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हैं।

34. हम रोजगार पर जी-20 कार्य बल के कार्य के लिए उसका धन्यवाद करते हैं और उसके कार्यकाल को एक और वर्ष के लिए बढ़ाते हैं। हम रोजगार पर जी-20 कार्य बल से आर्थिक तथा श्रम एवं रोजगार संबंधी नीतियों से जुड़े मुद्दों का पता लगाने में योगदान करने और संरचनात्मक बेरोजगारी, विशिष्ट रूप से युवाओं में बेरोजगारी एवं दीर्घ अवधि की बेरोजगारी से निपटने की रणनीतियों तथा सामाजिक सुरक्षा की राष्ट्रीय प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित करने का निवेदन करते हैं। इससे हमारे श्रम एवं रोजगार मंत्रियों द्‌वारा प्रस्तावित शर्तों का निर्माण होगा जिसमें सर्वोत्तम प्रथाओं की साझेदारी एवं स्तरीय प्रशिक्षुता पर अभिचिन्हित प्रमुख घटकों पर प्रगति की समीक्षा शामिल है। हम इस कार्य बल से निवेदन करते हैं कि वह आई एल ओ, ओ ई सी डी तथा विश्व बैंक समूह के साथ मिलकर काम करते हुए हमारी भिन्न – भिन्न संवैधानिक परिस्थितियों के अनुसार

उपयुक्त ढंग से विकसित देश विशिष्ट योजनाओं या रोजगार पर कार्रवाइयों के समुच्चय के आदान – प्रदान का समन्वय करे। इन रिपोर्टों में नीतियों एवं कार्यक्रमों के मिश्रण पर सूचना शामिल होनी चाहिए जिन्हें रोजगार संबंधी अपनी – अपनी चुनौतियों से निपटने के लिए जी-20 के प्रतिभागी सदस्यों द्वारा प्रयुक्त किया जाएगा। इसके अलावा, असुरक्षित कार्य स्थलों के कारण पूरे विश्व में मानव जीवन एवं परिसंपत्तियों को आवर्ती क्षति को देखते हुए हम कार्य बल को निर्देश देते हैं कि वह संबंधित देशों के साथ परामर्श करके आई एल ओ के साथ साझेदारी करे और इस बात पर विचार करे कि कैसे जी-20 सुरक्षित कार्य स्थलों में योगदान कर सकता है। हम रोजगार पर गठित कार्य बल एवं रूपरेखा तथा विकास कार्य समूह के बीच जी-20 के तहत श्रम से जुड़े मुद्दों से संबंधित गतिविधियों पर और सहयोग एवं समन्वय करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

निवेश के लिए वित्त पोषण

35. हम संपोषणीय विकास एवं नौकरियों के सृजन के लिए दीर्घ अवधि के निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका तथा ऐसी परिस्थितियां लागू करने के महत्व को स्वीकार करते हैं जो निवेश के लिए दीर्घ अवधि के वित्त पोषण को बढ़ावा दे जिसमें देश विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अवसंरचना एवं लघु तथा मझोले आकार के उद्यमों (एस एम ई) में निवेश शामिल है। विशेष रूप से, हम दीर्घ अवधि का वित्त पोषण आकर्षित करने में निवेश के अनुकूल वातावरण के प्रचुर महत्व को स्वीकार करते हैं तथा निजी क्षेत्र से पूंजी प्रवाह की बाधाओं की पहचान करने एवं उन्हें दूर करने तथा निवेश की अंतर्निहित परिस्थितियों और निजी क्षेत्र से निवेश की दक्षता में सुधार करने के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाएंगे।

36. निवेश में तेजी लाकर विकास की गति तेज करने और नौकरियां सृजित करने के लिए हम ब्रिसबेन शिखर बैठक के आयोजन तक सामूहिक एवं देश विशिष्ट कार्रवाइयों के समुच्चय की पहचान करने एवं लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे घरेलू निवेश के वातावरण में स्पष्ट रूप से सुधार लाएंगी, जैसे कि वे दीर्घ अवधि के निवेश वित्त पोषण के प्रति अधिक अनुकूल हो तथा कार्यान्वित परियोजनाओं की प्रभावी वृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर सकें, विशेष रूप से अवसंरचना एवं एस एम ई के क्षेत्र में। ये कदम हमारी देश विशिष्ट विकास रणनीतियों के अंग होंगे।

37. हम निवेश के लिए वित्त पोषण पर जी-20 अध्ययन समूह द्वारा तैयार की गई कार्य योजना का समर्थन करते हैं (अनुबंध)। हम अपने वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों से आह्वान करते हैं कि वे संगत अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से निविष्टि के साथ और जी-20 के अन्य संगत कार्य समूहों के सहयोग से अच्छे आधार वाली, साक्ष्य पर आधारित नीतिगत पहलें तैयार करने के लिए दीर्घ अवधि के निवेश के लिए वित्त पोषण की उपलब्धता से संबंधित चुनौतियों का विश्लेषण करें। हम उम्मीद करते हैं कि हमारे

वित्त मंत्री संगत अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की रिपोर्टों के माध्यम से हमारी अगली शिखर बैठक में हमें अपनी सिफारिशों से अवगत कराएंगे।

38. हम विशेष रूप से ऐसी नीतियों को बढ़ावा देने संबंधी सरकारों की आवश्यकता पर सहमत हैं जो अपने – अपने अधिदेशों के अनुरूप एवं विवेकपूर्ण ढंग से जोखिम उठाकर दीर्घ अवधि के निवेश के वित्त पोषण के लिए संस्थागत निवेशकों को सुविधा एवं प्रोत्साहन प्रदान करें। हम संस्थागत निवेशकों (अनुबंध) द्वारा दीर्घ अवधि के निवेश के वित्त पोषण की जी-20 / ओ ई सी डी के उच्च स्तर के सिद्धांतों का समर्थन करते हैं तथा अपने वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंकों के गर्वनरों से निवेदन करते हैं कि वे ओ ई सी डी एवं अन्य इच्छुक प्रतिभागियों के साथ काम करके उनके कार्यान्वयन के दृष्टिकोणों की पहचान करे और अगली शिखर बैठक तक हमें सूचित करें। हम उम्मीद करते हैं कि एफ एस बी दीर्घ अवधि के निवेश के वित्त पोषण की आपूर्ति पर वित्तीय विनियामक सुधारों के प्रभाव की सतत रूप से निगरानी करेगा।

39. हम अपने वित्त मंत्रियों से आह्वान करते हैं कि वे अगली शिखर बैठक तक घरेलू पूंजी बाजार के विकास में सुविधा प्रदान करने तथा अवसंरचना में निवेश समेत दीर्घ अवधि के रचनात्मक निवेश के लिए वैश्विक बचत की मध्यस्थता में सुधार करने और एस एम ई के लिए वित्त पोषण तक पहुंच में सुधार के लिए उपायों की पहचान करे। हम अपने वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक के गवर्नरों से निवेदन करते हैं कि वे ऐसे तरीकों का पता लगाएं जिससे निजी क्षेत्र से वित्त पोषण एवं पूंजी बाजार को बेहतर ढंग से लामबंद किया जा सके। हम विद्यमान संसाधनों के उपयोग को इष्टतम करने, जिसमें निजी पूंजी के उत्तोलन के माध्यम से संसाधनों का इष्टतम उपयोग शामिल है, और ऋण देने की उनकी क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए नए दृष्टिकोणों का विकास करने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों के सतत कार्य को सुदृढ़ करने की भी उम्मीद्द करते हैं। हम विशेष रूप से उभरते बाजारों एवं विकासशील देशों में अवसंरचना में निवेश के लिए अतिरिक्त वित्त पोषण जुटाने एवं प्रेरित करने के लिए विश्व बैंक समूह तथा क्षेत्रीय विकास बैंकों द्वारा किए जा रहे कार्य का भी संज्ञान लेते हैं।

40. हम विशेष रूप से अवसंरचना में निवेश की परियोजनाओं की प्राथमिकता निर्धारित करने, उनकी योजना तैयार करने एवं वित्त पोषण में तथा परियोजना तैयारी निधि का बेहतर उपयोग करने में पारदर्शिता एवं प्रक्रियाओं में सुधार के महत्व को स्वीकार करते हैं। रचनात्मक सार्वजनिक – निजी साझेदारी (पी पी पी) व्यवस्था के लिए डिजाइन एवं परिस्थितियों में सुधार के तरीकों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बहुपक्षीय व्यापार में वृद्धि

41. मुक्त व्यापार एवं निवेश तथा खुली, नियमों पर आधारित, पारदर्शी एवं भेदभाव रहित डब्ल्यू टी ओ आधारित व्यापार प्रणाली प्राप्त करना वैश्विक विकास को बहाल करने के

लिए आवश्यक है। हम व्यापार के महत्व को आर्थिक विकास, संपोषणीय विकास एवं वैश्विक स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर नौकरियों के सृजन की कुंजी के रूप में रेखांकित करते हैं।

42. हम नियमों का समुचित रूप से प्रवर्तन सुनिश्चित करने में बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के सफल कार्यकरण की अहमियत एवं इसके महत्व की फिर से पुष्टि करते हैं। व्यापार सुविधाकरण तथा कृषि एवं विकास से जुड़े कुछ घटकों पर दिसंबर, 2013 में बाली में डब्ल्यू टी ओ मंत्री स्तरीय सम्मेलन (एम सी9) में सफल परिणाम बहुपक्षीय व्यापार को और उदार बनाने एवं दोहा विका एजेंडा पर वार्ता में प्रगति की दिशा में नींव का पत्थर होगा और सफल बाली दोहा चक्र पश्चात वार्ता में नया विश्वास उत्पन्न करेगा।

43. हम डब्ल्यू टी ओ के सभी सदस्यों से आह्वान करते हैं कि वे विद्यमान अंतरालों को पाटने तथा एम सी9 में सकारात्मक एवं संतुलित परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक लोच का प्रदर्शन करें। हम एम सी9 में शीघ्र हार्वेस्ट प्राप्त करते हुए और डब्ल्यू टी ओ के वार्ता से जुड़े कार्य में विश्वसनीयता का प्रदर्शन करते हुए ऐसे परिणामों को प्राप्त करने के लिए इन वार्ताओं में महत्वपूर्ण योगदान करने के लिए तैयार हैं।

44. हम संरक्षणवाद से उत्पन्न आर्थिक मंदी एवं व्यापार में कमजोरी के जोखिम को स्वीकार करते हैं। हम 2016 के अंत तक अपनी स्थायी प्रतिबद्धता प्रदान करते हैं तथा वैश्विक व्यापार एवं निवेश की बाधाओं एवं अड़चनों को दूर करने में और प्रगति के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होने के नाते हम नए संरक्षणवादी उपायों को वापस लेने की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करते हैं। इन प्रतिबद्धताओं के साथ हम डब्ल्यू टी ओ के माध्यम से और संरक्षणवाद पर रोक लगाने के महत्व पर जोर देते हैं तथा इस प्रयोजनार्थ हम दोहा विकास चक्र की सफल निष्पत्ति की दिशा में एक सफल कदम के रूप में और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के रोड मैप पर वार्ता के लिए संवेग के रूप में एम सी9 को सफल बनाने के लिए हम प्रयास करेंगे।

45. हम डब्ल्यू टी ओ, ओ ई सी डी एवं अंकटाड द्वारा व्यापार एवं निवेश के प्रतिबंधात्मक / उद्घाटन उपायों की निगरानी को महत्व देते हैं। हम उनसे आह्वान करते हैं कि वे अपने – अपने अधिदेशों के अनुरूप इस कार्य को जारी रखें तथा सुदृढ़ करें ताकि संरक्षणवाद पर बेहतर ढंग से रोक लग सके और वैश्विक व्यापार एवं निवेश के उदारीकरण के बढ़ावा मिल सके। हम डब्ल्यू टी ओ की सार्वजनिक वेबसाइट का स्वागत करते हैं जो सरकारों, निजी क्षेत्र एवं सभ्य समाज के लाभ के लिए इन उपायों पर पारदर्शिता प्रदान करती है।

46. पारदर्शिता बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की आधारशिला है। हम डब्ल्यू टी ओ की अधिसूचना की अपेक्षाओं का समय पर अनुपालन करने तथा डब्ल्यू टी ओ के विद्यमान नियमों के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

47. हम क्षेत्रीय व्यापार करारों (आर टी ए) के महत्व तथा व्यापार एवं निवेश के उदारीकरण में उनके योगदान को समझते हैं। हम यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता करते हैं कि आर टी ए बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का समर्थन करे। इस बात को स्वीकार करते हुए कि आर टी ए में पारदर्शिता बढ़ाने और यह समझते हुए कि बहुपक्षीय नियमों के विकास पर आर टी ए एवं उनके प्रभावों का सभी जी-20 देशों के व्यवस्थागत हित से सरोकार होता है, हम डब्ल्यू टी ओ में आर टी ए पर अपना कार्य जारी रखने एवं क्षेत्रीय व्यापार करारों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं (अनुबंध)।

48. हम व्यापार में पारदर्शिता (टी एन टी) पहल का समर्थन करते हैं, जो अफ्रीकी विकास बैंक, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र (आई टी सी), संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) तथा विश्व बैंक के बीच साझेदारी है, जो व्यापार के नए अवसरों की पहचान करने एवं व्यापार के प्रवाह में सुविधा प्रदान करने के लिए व्यापार नीति डाटा एवं विश्लेषण प्रणाली के खुले प्रयोग का प्रावधान करेगी। हम डब्ल्यू टी ओ के एकीकृत व्यापार सूचना पोर्टल (आई – टी आई पी) का भी स्वागत करते हैं।

49. हम वैश्विक मूल्य श्रृंखला (जी वी सी) में त्वरित विस्तार तथा विकास, औद्योगिक संरचना, विकास एवं नौकरियों के सृजन के लिए जी वी सी में प्रतिभागिता के प्रभाव की बेहतर समझ के महत्व को स्वीकार करते हैं। इस संबंध में, हम ओ ई सी डी, डब्ल्यू टी ओ तथा अंकटाड द्वारा किए गए कार्य का स्वागत करते हैं और उनसे विशेष रूप से व्यापार, आर्थिक विकास, प्रगति, नौकरी सृजन एवं जी वी सी के साथ मूल्य संवर्धित वितरण पर जी वी सी के महत्व के संदर्भ में इसके प्रभाव पर अपना अनुसंधान जारी रखने और सरकारों की राय प्राप्त करने का आग्रह करते हैं। जी वी सी में भागीदारी के अवसरों एवं चुनौतियों की पहचान करने तथा मूल्य संवर्धित व्यापार सांख्यिकी उपलब्ध कराने से जी वी सी से लाभ लेने के लिए नीति में उपयुक्त विकल्प प्रदान करने पर निर्णय लेने में देशों को यथासमय सहायता प्राप्त हो सकती है। हम ओ ई सी डी से आह्वान करते हैं कि वह डब्ल्यू टी ओ एवं अंकटाड के साथ मिलकर 2014 के पूर्वार्ध तक एक रिपोर्ट उपलब्ध कराए।

आधार क्षरण एवं लाभ शिफ्टिंग का समाधान, कर परिहार से निपटना तथा कर पारदर्शिता एवं सूचना के स्वचालित आदान - प्रदान को बढ़ावा देना

50. गंभीर राजकोषीय समेकन तथा सामाजिक कठिनाई के संदर्भ में, अनेक देशों में यह सुनिश्चित करना आज पहले से अधिक जरूरी है कि सभी करदाता समुचित मात्रा में अपने करों का भुगतान करें। कर परिहार्यता, हानिकर प्रथाओं एवं आक्रामक कर आयोजना से निपटना होगा। डिजिटल अर्थव्यवस्था का विकास भी अंतर्राष्ट्रीय कराधान के लिए चुनौती प्रस्तुत करती है। हम महत्वाकांक्षी एवं व्यापक कार्य योजना का पूरी तरह से समर्थन करते हैं – जिसे ओ ई सी डी में तैयार किया गया है – जिसका उद्देश्य

यथाउपयुक्त योजना को समृद्ध करके तंत्र के साथ आधार के क्षरण एवं लाभ की शिफ्टिंग से निपटना है। हम जी-20 / ओईसीडी बी ई पी एस परियोजना की स्थापना का स्वागत करते हैं तथा हम सभी इच्छुक देशों को प्रोत्साहित करते हैं कि वे इसमें भाग लें। लाभ पर कर वहां लगना चाहिए जहां लाभ प्रदान करने वाली आर्थिक गतिविधियां संपन्न की जाती हैं तथा जहां मूल्य का सृजन होता है। बी ई पी एस को न्यूनतम करने के लिए हम सभी सदस्य देशों से आह्वान करते हैं कि वे इस बात की जांच करें कि कैसे हमारे अपने घरेलू कानून बी ई पी एस में योगदान कर सकते हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय कर कानून एवं हमारे अपने कर कानून कम कर वाले क्षेत्राधिकारों में कृत्रिम ढंग से लाभ की शिफ्टिंग के माध्यम से संदत्त समग्र करों को कम करने के लिए बहुराष्ट्रीय उद्यमों को अनुमति न दें या उन्हें प्रोत्साहित न करें। हम इस बात को स्वीकार करते हैं कि सचल आय का प्रभावी कराधान प्रमुख चुनौतियों में से एक है। हम कार्य योजना में अभिचिन्हित 15 मुद्दों से निपटने के लिए प्रस्तावों एवं सिफारिशों के विकास पर नियमित रिपोर्टिंग की उम्मीद करते हैं तथा संप्रभुता के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से आवश्यक कदम उठाने की प्रतिबद्धता करते हैं।

51. हम कर पारदर्शिता के क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई प्रगति की सराहना करते हैं तथा हम सूचना के बहुपक्षीय एवं द्विपक्षीय स्वचालित आदान – प्रदान के लिए सही मायने में विश्वव्यापी मॉडल के लिए ओ ई सी डी के प्रस्ताव का पूरी तरह से समर्थन करते हैं। जल्दी से जल्दी अपने साथ शामिल होने के लिए अन्य सभी क्षेत्राधिकारों का आह्वान करते हुए हम एक नए वैश्विक मानक के रूप में सूचना के स्वचालित आदान – प्रदान के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो आदान – प्रदान की गई सूचना की विश्वसनीयता एवं समुचित प्रयोग का अवश्य सुनिश्चय करें और हम जी-20 देशों के साथ ओ ई सी डी के कार्य का पूरी तरह से समर्थन करते हैं जिसका उद्देश्य फरवरी 2014 तक सूचना के प्रभावी ढंग से स्वचालित आदान – प्रदान के लिए एक नए एकल खिड़की विश्वव्यापी मानक को प्रस्तुत करना है तथा 2014 के मध्य तक सूचना के प्रभावी ढंग से स्वचालित आदान – प्रदान की तकनीकी बारीकियों को अंतिम रूप देना है। समानांतर रूप से, हम 2015 के अंत तक जी-20 के सदस्य देशों के बीच कर से जुड़े मामलों पर सूचना के स्वचाति आदान – प्रदान को शुरू करने की उम्मीद करते हैं। हम सभी देशों से कर मामलों में परस्पर प्रशासनिक सहायता पर बहुपक्षीय अभिसमय में अविलंब शामिल होने का आह्वान करते हैं। हम वैश्विक पैमाने पर नए मानक के व्यावहारिक एवं पूर्ण कार्यान्वयन की अपेक्षा करते हैं। हम वैश्विक मंच को अनुरोध करने पर सूचना के आदान – प्रदान के प्रभावी कार्यान्वयन के संबंध में देशों की व्यापक रेटिंग का आबंटन पूरा करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं कि मानकों के कार्यान्वयन की निगरानी सतत आधार पर की जाए। हम सभी क्षेत्राधिकारों से आग्रह करते हैं कि वे वैश्विक मंच की सिफारिशों पर ध्यान दें, विशेष रूप से उन 14 सिफारिशों पर ध्यान दें जो अभी तक चरण-2 में नहीं पहुंची हैं। हम लाभप्रद स्वामित्व के संबंध में एफ ए टी एफ के कार्य पर

वैश्विक मंच को ध्यान देने के लिए आमंत्रित करते हैं। हम वैश्विक मंच से यह भी निवेदन करते हैं कि वह सूचना के स्वचालित आदान – प्रदान पर नए वैश्विक मानक के कार्यान्वयन की निगरानी एवं समीक्षा करने के लिए एक नया तंत्र स्थापित करे।

52. विकासशील देशों को अधिक पारदर्शी अंतर्राष्ट्रीय कर प्रणाली के लाभों को प्राप्त करने तथा अपनी राजस्व क्षमता बढ़ाने में समर्थ होना चाहिए क्योंकि विकास के वित्त पोषण के लिए घरेलू संसाधनों को जुटाना आवश्यक है। हम इस बात के महत्व को स्वीकार करते हैं कि सभी देश कर सूचना के अधिक आदान – प्रदान से लाभांवित हों। हम इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि सूचना का स्वचालित रूप में आदान – प्रदान करना एल आई सी समेत सभी देशों के लिए सुसाध्य हो तथा हम क्षमता निर्माण में उन्हें सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे। हम विकास कार्य समूह से आह्वान करते हैं कि वह वित्त ट्रैक के साथ मिलकर ओ ई सी डी, वैश्विक मंच एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ काम करे, ताकि एक रोड मैप का विकास किया जा सके जो प्रदर्शित करे कि कैसे विकासशील देश सूचना के स्वचालित आदान – प्रदान से जुड़े नए मानक में प्रतिभागिता से जुड़ी बाधाओं को दूर कर सकते हैं और सेंट पीटर्सबर्ग विकास रूपरेखा में परिकल्पित कदम के अनुसरण में मानक को पूरा करने में उनकी कैसे सहायता की जा सकती है। हमारी अगली बैठक तक कार्य समूह को हमें सूचित कर देना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ काम करते हुए हम अपनी विशेषज्ञता को साझा करना, क्षमता निर्माण में सहायता करना और सफलता प्राप्त करने के लिए दीर्घ अवधि के साझेदारी कार्यक्रमों में शामिल होना जारी रखेंगे। इस संबंध में, हम सीमा पहल के बगैर ओ ई सी डी के कर निरीक्षकों का स्वागत करते हैं, जिसका उद्देश्य कर के क्षेत्र में विकासशील देशों की घरेलू क्षमता में वृद्धि करना और ज्ञान को साझा करना है। अंत में, हम सूचना के स्वचालित आदान – प्रदान के अलावा कर प्रशासन के क्षेत्र में व्यक्तिगत देशों की आवश्यकताओं की पहचान करने एवं क्षमता का निर्माण करने में विकासशील देशों की मदद करना जारी रखने और विकासशील देशों के नेतृत्व में ऐसी सहायता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के माध्यम से सहायता प्रदान करना शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय वास्तुशिल्प

53. आई एम एफ अभिशासन के सतत सुधारों को पूरा करना अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की विश्वसनीयता, वैधता एवं कारगरता बढ़ाने के लिए अपरिहार्य है। इस वजह से 2010 के आई एफ एम कोटा एवं अभिशासन सुधार की पुष्टि करना अत्यंत आवश्यक है। हम कोटा की 15वीं सामान्य समीक्षा के साथ कोटा के नए फार्मूले पर अंतिम सहमति पर पहुंचने की प्रक्रिया को एकीकृत करने के लिए आई एम एफ के कार्यपालक बोर्ड के निर्णय का समर्थन करना जारी रखेंगे। हम आई एम एफ की संपूर्ण सदस्यता के साथ कोटा फार्मूला पर सहमत होने एवं जनवरी, 2014 तक 15वीं सामान्य कोटा समीक्षा पूरा

करने की प्रतिबद्धता पर बने रहेंगे, जैसा कि सियोल शिखर बैठक में सहमति हुई है तथा कॉन एवं लॉस कैबोस की शिखर बैठकों में दोहराया गया है। हम इस उद्देश्य को प्राप्त करने में निरंतर प्रगति हासिल करने के कार्य को बहुत महत्व देते हैं जिसमें अक्टूबर, 2013 में जी-20 की मंत्री स्तरीय बैठक तथा आई एम एफ सी की बैठक के समय तक हुई प्रगति शामिल है। हम अपनी पिछली प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करते हैं कि फार्मूला के आधार पर कोटे के वितरण में विश्व अर्थव्यवस्था में आई एम एफ के सदस्यों का सापेक्षिक महत्व बेहतर ढंग से प्रदर्शित होना चाहिए, जो गतिशील उभरते बाजारों एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में जी डी पी में अधिक विकास को ध्यान में रखते हुए बहुत परिवर्तित हो गया है। हम कोटा की इस सामान्य समीक्षा के अंग के रूप में आई एम एफ के सबसे गरीब देशों की आवाज एवं प्रतिनिधित्व की रक्षा करने की आवश्यकता की फिर से पुष्टि करते हैं।

54. प्रभावी वैश्विक सुरक्षा संजाल के महत्व को स्वीकार करते हुए हमने लॉस कैबोस में संख्या की दृष्टि से काफी देशों द्वारा आई एम एफ के लिए अस्थायी तौर पर उपलब्ध संसाधनों की मात्रा को बढ़ाकर 461 बिलियन अमरीकी डालर करने संबंधी प्रतिबद्धता का स्वागत किया। आज यह घोषणा करते हुए हमें बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि इनमें से ज्यादातर देशों द्वारा प्रतिबद्ध संसाधनों को द्विपक्षीय ऋण या क्रय करार नोट के माध्यम से आई एम एफ को उपलब्ध करा दिया गया है। यह विस्तृत सहयोगात्मक प्रयास संकट की रोकथाम करने तथा उनका समाधान करने में और इस प्रकार वैश्विक वित्तीय स्थिरता की रक्षा करने के लिए योगदान करने में आई एम एफ की भूमिका बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के दृढ़ निश्चय को प्रदर्शित करता है।

55. हम इस बात को भी दोहराते हैं कि क्षेत्रीय वित्त पोषण करार (आर एफ ए) विद्यमान वैश्विक वित्तीय सुरक्षा संजाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हम आई एम एफ एवं आर एफ ए के बीच सहयोग के सामान्य सिद्धांतों की फिर से पुष्टि करते हैं जिन्हें हमने कॉन में अपनाया था, जो संबंधित संस्थाओं के अधिदेश एवं स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए सहयोग के महत्व पर बल देते हैं। आई एम एफ तथा जी-20 दोनों द्वारा इस क्षेत्र में हाल के दिनों में किए गए कार्य को स्वीकार करते हुए हम अच्छी तरह से स्थापित संचार के चैनलों के माध्यम से सतत आधार पर आई एम एफ एवं आर एफ ए के बीच लोचपूर्ण एवं स्वैच्छिक वार्ता की उम्मीद करते हैं। हम लोचपूर्ण एवं स्वैच्छिक तरीके से विचारों एवं अनुभवों के अनौपचारिक आदान – प्रदान को बढ़ावा देने के लिए आर एफ ए के बीच वार्ता के महत्व को नोट करते हैं। इस संदर्भ में, हम अपने वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों से निवेदन करते हैं कि वे आई एम एफ – आर एफ ए सहयोग में विकास एवं प्रगति के साथ – साथ आर एफ ए के बीच वार्ता का अनुसरण करें।

56. अधिक लोचपूर्ण सार्वजनिक वित्त का सुनिश्चय करने के लिए विद्यमान सार्वजनिक ऋण प्रबंधन प्रथाओं को सुदृढ़ करना महत्वपूर्ण है। हम हाल के अनुभवों के आलोक में

"सार्वजनिक ऋण प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश'' की समीक्षा करने एवं अद्यतन करने के लिए आई एम एफ एवं विश्व बैंक समूह द्वारा किए जा रहे कार्य का स्वागत करते हैं। हम अपने वित्त मंत्रियों से निवेदन करते हैं कि वे अक्टूबर में होने वाली अपनी बैठक में इन दिशानिर्देशों को अद्यतन बनाने की दिशा में हुई प्रगति पर विचार करें और राज्य गारंटी समेत सार्वजनिक ऋण जुटाने, प्रबंधन करने तथा रिटायर करने का मार्ग प्रशस्त करने वाली अपनी प्रथाओं को अद्यतन करने पर ओ ई सी डी की अंतरिम रिपोर्ट की समीक्षा करें।

57. हाल के वर्षों की घटनाओं ने सबके लिए ऋण की संपोषणीयता के महत्व को प्रदर्शित किया है। इसलिए हम इस बात का समर्थन करते हैं कि आई एम एफ एवं विश्व बैंक इस मुद्दे पर निरंतर ध्यान दें। हम कम आय वाले देशों के लिए आई एम एफ – विश्व बैंक ऋण संपोषणीयता रूपरेखा के कार्यान्वयन का भी समर्थन करते हैं तथा अपनी प्रथाओं को बेहतर ढंग से सूचित करने एवं उपयुक्त चैनलों के माध्यम से संपोषणीय वित्त पोषण एवं संपोषणीय विकास एवं प्रगति को बढ़ावा देने के लिए हम इस रूपरेखा पर विचार करेंगे। हमारे बीच इस बात पर सहमति हुई है कि इन मुद्दों पर कम आय वाले देशों के साथ समावेशी विचार – विमर्श की जरूरत है जिसमें संपोषणीय वित्त पोषण के लिए दिशनिर्देशों के विकास की संभावना पर विचार – विमर्श शामिल है। हम आई एम एफ तथा विश्व बैंक से निवेदन करते हैं कि वे अनुरोध करने पर मध्यम अवधि की समीचीन ऋण प्रबंधन रणनीतियां विकसित करने और ऋण प्रबंधन की उनकी क्षमता बढ़ाने में उनका सहयोग करना जारी रखें।

58. कीमत एवं मात्रा आधारित उपायों दोनों को ध्यान में रखते हुए हम ऐसे संकेतकों का विकास करने में आई एम एफ एवं बी आई एस द्वारा किए गए कार्य को नोट करते हैं जो वैश्विक तरलता की स्थितियों को प्रतिबिंबित करते हैं। हम अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से आह्वान करते हैं कि वे इस बारे में प्रस्ताव तैयार करने के विचार से और अनुसंधान जारी रखें कि कैसे अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के निगरानी संबंधी कार्य में अधिक विस्तृत रूप से वैश्विक तरलता के संकेतकों को समाविष्ट किया जा सकता है।

59. हम इस बात को दोहराते हैं कि अच्छी तरह से विकसित स्थानीय मुद्रा के बांड बाजार (एल सी बी एम) घरेलू अर्थव्यवस्था एवं वित्तीय प्रणालियों की लोच में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम एल सी बी एम के विकास पर जी-20 कार्य योजना को लागू करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक समूह, ई बी आर डी, ओ ई सी डी तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के कार्य का स्वागत करते हैं जिसमें एल सी बी एम पर नैदानिक रूपरेखा का सृजन शामिल है। हम अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, अन्य तकनीकी सहायता प्रदाताओं तथा देशों के प्राधिकरणों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करते हैं कि वे एल सी बी एम के विकास के समर्थन में सुधारों की पहचान करने एवं निर्धारित करने तथा क्षमता निर्माण से जुड़ी प्राथमिकताओं की पहचान करने में नैदानिक रूपरेखा का प्रयोग करने पर विचार करें।

60. हम एक सफल अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (आई डी ए) 17 भराव तथा अफ्रीकी विकास निधि (ए एफ डी एफ) 13 भराव में योगदान करने संबंधी अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करेंगे।

वित्तीय विनियम

आज तक की उपलब्धियां तथा आगे का रास्ता

61. पिछले पांच वर्षों में, हमने अपनी वित्तीय प्रणालियों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक सुधारों को लागू करने की दिशा में पर्याप्त प्रगति की है। सभी प्रमुख क्षेत्राधिकारों ने अंशत: या पूर्णत: निम्नलिखित कार्य किया है :

- नए वैश्विक पूंजी मानकों (बासेल 3) को लागू किया है;
- ओ टी सी डेरिवेटिव्स के लिए आवश्यक रूपरेखा को पूरा किया है जिन्हें एक्सचेंज या इलेक्ट्रानिक विपणन मंचों पर व्यापारित किया जाएगा, केंद्रीय रूप से क्लीयर किया जाएगा और सूचित किया जाएगा;
- वैश्विक स्तर पर सुव्यवस्थित ढंग से महत्वपूर्ण बैंकों एवं बीमाकर्ताओं की पहचान की है तथा उनसे उत्पन्न होने वाले जोखिमों का उपशमन करने के लिए अधिक समीचीन मानकों के अधीन उन्हें लाने पर सहमत हुए हैं;
- करदाता की क्षति के बगैर विशाल, जटिल वित्तीय संस्थाओं के क्रमबद्ध संकल्प के लिए सहमत उपकरणों एवं प्रक्रियाओं को लागू किया है; और
- शैडो बैंकिंग सिस्टम से उत्पन्न वित्तीय स्थिरता के लिए संभावित प्रणालीगत जोखिमों से निपटने की दिशा में प्रगति की है।

इन सुधारों को लागू करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समन्वय एवं प्रतिबद्धता अभूतपूर्व है। परंतु हमें अभी बहुत काम करना है। हम जब तक काम पूरा नहीं हो जाता तब तक सुधारों की गति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ऐसी वित्तीय प्रणाली की ओर अग्रसर होना जो मजबूत, संपोषणीय एवं संतुलित आर्थिक विकास में मददगार हो

62. नवंबर, 2008 में वाशिंगटन में अपनी प्रतिबद्धता के बाद से हम व्यापक श्रेणी के नीतिगत सुधारों पर सहमत हुए हैं तथा उन्हें लागू किया है जो ऐसी प्रमुख फाल्ट लाइनों को ठीक करते हैं जिनसे संकट उत्पन्न होता है तथा यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी वित्तीय संस्थाएं, बाजार एवं प्रतिभागी विनियमित हों या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक एवं भेदभाव रहित तरीके से अपनी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त निगरानी के अधीन हों। हमारा काम पर्याप्त रूप से आगे बढ़ा है परंतु अभी तक पूरा नहीं हुआ है। हम व्यवस्थागत जोखिम से निपटने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। हम अधिक लोचपूर्ण वित्तीय संस्थाओं का निर्माण कर रहे हैं, 'टू बिग टु फेल' समस्या को समाप्त करने की दिशा में पर्याप्त प्रगति कर रहे हैं, पारदर्शिता एवं बाजार की निष्ठा में वृद्धि कर रहे हैं,

विनियामक अंतरालों को पाट रहे हैं तथा शैडो बैंकिंग से उत्पन्न जोखिमों का समाधान कर रहे हैं। हम डेरिवेटिव्स बाजार को अधिक सुरक्षित बनाकर, बाजार अवसंरचना को सुदृढ़ करके तथा क्रेडिट रेटिंग की एजेंसियों में सुधार करके वित्तीय बाजारों के कामकाज को निरंतर बढ़ावा दे रहे हैं।

63. हम खुली, एकीकृत एवं लोचपूर्ण वैश्विक वित्तीय प्रणाली के लाभों को पूरी तरह से साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस प्रयोजनार्थ, हम संगत एवं भेदभाव रहित ढंग से सहमत सुधारों को पूरी तरह से लागू करने के लिए अपने प्रत्येक क्षेत्राधिकार में आवश्यक कदम उठाने का कार्य जारी रखेंगे। हम सहयोग एवं सूचना की हिस्सेदारी में वृद्धि करेंगे।

64. हम वित्तीय विनियामक सुधारों को बढ़ावा दे रहे हैं जिनका उद्देश्य नैतिक संकट एवं प्रणालीगत जोखिम को कम करना तथा स्थिर वित्तीय प्रणाली को बढ़ावा देना है जो संपोषणीय एवं संतुलित आर्थिक विकास का समर्थन करती है। इस प्रकार, हम वित्तीय विनियामक नीतियों के विकास एवं कार्यान्वयन का समन्वयन करने के लिए अधिक वित्तीय स्वायत्तता एवं अधिक क्षमता के साथ एक कानूनी संस्था के रूप में इस साल एफ एस बी की स्थापना का स्वागत करते हैं। हम वित्तीय विनियामक सुधार पर एफ एस बी की समग्र एवं वर्णनात्मक प्रगति रिपोर्टों का भी स्वागत करते हैं, जिन्हें हमारी शिखर बैठक के लिए तैयार किया गया है, तथा हम अब तक की प्रगति का स्वागत करते हैं। हम अपने प्रतिनिधित्व की संरचना की समीक्षा करने संबंधी एफ एस बी की मंशा का समर्थन करते हैं तथा एफ एस बी से अपनी अगली शिखर बैठक में इस समीक्षा पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निवेदन करते हैं।

65. हम किसी पूर्वाग्रह के बिना सारवान रूप से अनाशयित परिणामों का समाधान करने और सहमत सुधारों को लागू करने की हमारी प्रतिबद्धता की दृष्टि से उभरते बाजारों एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ई एम डी ई) पर विनियामक सुधार विकसित करने के प्रभावों की निगरानी करने में मानक निर्धारित करने वाले निकायों तथा आई एम एफ एवं विश्व बैंक समूह के साथ मिलकर एफ एस बी द्वारा की गई प्रगति की सराहना करते हैं। हम आई एम एफ, विश्व बैंक समूह तथा मानक निर्धारित करने वाले निकायों से निवेदन करते हैं कि वे इस क्षेत्र में अपनी निगरानी, विश्लेषण एवं सहायता में वृद्धि करें। अंत में, हम एफ एस बी को प्रोत्साहित करते हैं कि वे अपनी समग्र कार्यान्वयन निगरानी रूपरेखा के अंग के रूप में ई एम डी ई पर विनियामक सुधार विकसित करने के प्रभावों पर अपनी निगरानी करने, विश्लेषण करने एवं रिपोर्ट करने के कार्य को जारी रखें।

66. हम वित्तीय सुधार के एजेंडा को इस ढंग से पूरा होता हुआ देखने के लिए कृत संकल्प हैं जिसमें वैश्विक वित्तीय प्रणाली का विखंडीकरण न हो। हम वित्तीय विनियमन के सभी मुद्दों पर सहयोग करना जारी रखेंगे तथा हमें अपनी अगली बैठक तक अपने वित्त

मंत्रियों, केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों तथा एफ एस बी द्वारा आगे प्रगति की उम्मीद है। हम वित्तीय प्रणाली की मजबूती, स्थिरता और आर्थिक विकास पर तथा निवेश के लिए दीर्घ अवधि के वित्त की उपलब्धता पर वित्तीय विनियामक सुधारों के प्रभाव की निगरानी करना एवं मूल्यांकन करना भी जारी रखेंगे।

लोचपूर्ण वित्तीय संस्थाओं का निर्माण तथा "टू बिग टु फेल" को समाप्त करना

67. हम अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर सहमत समय सीमा के अनुसार बासेल-III को कार्यान्वित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं तथा उस प्रगति का स्वागत करते हैं जो लॉस कैबोस के बाद से हुई है। यह अनिवार्य है कि बासेल-III के मानकों को निरंतर लागू किया जाए। इसलिए हम बासेल-III के साथ क्षेत्राधिकारों के नियमों की संगति तथा बासेल-III के कार्यान्वयन पर अद्यतन प्रगति रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के लिए बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति (बी सी बी एस) के काम का स्वागत करते हैं। हम जोखिम भारित परिसंपत्तियों की विनियामक संगति पर बी सी बी एस की हाल की रिपोर्ट का भी स्वागत करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि विनियामक पूंजी अनुपात की तुलनीयता में सुधार के लिए बी सी बी एस द्वारा कार्य किया जाएगा। हम उम्मीद करते हैं कि बी सी बी एस बासेल-III रूपरेखा में सहमत शेष घटकों पर अपने प्रस्तावों को अंतिम रूप देगा – अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सामंजस्यपूर्ण लिवरेज रेशियो तथा नेट स्टेबल फंडिंग रेशियो – सहमत समय सीमा एवं कार्य प्रणालियों के अनुरूप।

68. हम "टू बिग टु फेल" को समाप्त करने की दिशा में हुई प्रगति तथा अगले कदमों के संबंध में एफ एस बी की रिपोर्ट का स्वागत करते हैं। हम वित्तीय क्षेत्र के सभी अनुभवों के लिए एफ एस बी की प्रभावी समाधान व्यवस्था की प्रमुख विशेषताओं को पूरी तरह से लागू करने के लिए आवश्यक किसी सुधार को लागू करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को नवीकृत करते हैं, जिससे प्रणालीगत समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। हम सीमापारीय समाधान की बाधाओं को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। हम यह सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करते हैं कि पर्यवेक्षकों के पास सशक्त अधिदेश होगा, पर्याप्त संसाधन होंगे तथा काम करने की स्वतंत्रता होगी। हम एफ एस बी से आह्वान करते हैं कि वे मानक निर्धारित करने वाले निकायों से परामर्श करके 2014 के अंत तक वैश्विक स्तर पर प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण वित्तीय संस्थाओं की क्षति समायोजन क्षमता की पर्याप्तता का मूल्यांकन करें और इस पर प्रस्ताव तैयार करें, जब वे विफल हो जाती हैं। हम यह मानते हैं कि संरचनात्मक बैंकिंग सुधारों से दिवालिया न होने में सहायता मिल सकती है तथा एफ एस बी से आह्वान करते हैं कि वे आई एम एफ एवं ओ ई सी डी से परामर्श करके देश विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सीमा पारीय प्रासंगिकताओं एवं वैश्विक वित्तीय स्थिरता के प्रभावों का मूल्यांकन करें और हमारी अगली शिखर बैठक में इस पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

69. हम वैश्विक स्तर पर प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण बीमाकर्ताओं (जी – एस आई आई) की आरंभिक सूची के प्रकाशन का स्वागत करते हैं जिस पर संकल्प आयोजना एवं समूह व्यापी अधिक पर्यवेक्षण शुरूआती स्तर पर लागू होगा। हम इसके वार्षिक अपडेट तथा 2014 में जी-20 की अगली शिखर बैठक तक अंतर्राष्ट्रीय बीमा पर्यवेक्षक संघ द्वारा एक स्पष्ट, समूह व्यापी पूंजी आवश्यकता को अंतिम रूप देने की अपेक्षा करते हैं जो जी-एस आई आई के लिए क्षति को अधिक समायोजित करने की अपेक्षाओं के लिए नींव के रूप में काम करेगा। इसके अलावा, हम उम्मीद करते हैं कि यह मात्रात्मक पूंजी मानक समेत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय बीमा समूहों के लिए एक व्यापक, समूह व्यापी पर्यवेक्षी एवं विनियामक रूपरेखा विकसित करने संबंधी अपने कार्य को आगे बढ़ाएगा।

70. हम एफ एस बी से निवेदन करते हैं कि वे अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूमि आयोग संगठन (आई ओ एस सी ओ) तथा मानक निर्धारित करने वाले अन्य संगठनों से परामर्श करके 2013 के अंत तक वैश्विक स्तर पर प्रणाली की दृष्टि से गैर बैंक, गैर बीमा वित्तीय संस्थाओं की पहचान करने के लिए सार्वजनिक परामर्श की प्रविधियां तैयार करने का काम करे। हम भुगतान एवं निस्तारण प्रणाली समिति तथा आई ओ एस सी ओ से आह्वान करते हैं कि वे प्रणाली की दृष्टि से महत्वपूर्ण बाजार अवसंरचना पर अपना काम जारी रखें।

पारदर्शी, सतत रूप से काम करने वाले वित्तीय बाजारों को बढ़ावा देना

71. हम ओवर दि काउंटर (ओ टी सी) डेरिवेटिव्स सुधार में प्रगति पर एफ एस बी की रिपोर्ट का स्वागत करते हैं, जिसमें सदस्यों की अभिपुष्ट कार्रवाइयां तथा सहमत ओ टी सी डेरिवेटिव्स सुधारों को व्यवहार में लागू करने की प्रतिबद्ध समय सारणी शामिल हैं। हम वैश्विक स्तर पर शेष टकरावों, विसंगतियों, अंतरों एवं द्विरावृत्तिमूलक अपेक्षाओं के समाधान के लिए एक प्रमुख रचनात्मक कदम के रूप में ओ टी सी डेरिवेटिव्स सुधार से संबंधित सीमा पारीय मुद्दों पर प्रमुख विनियामकों द्वारा हाल की सहमति का भी स्वागत करते हैं तथा इन व्यवस्थाओं के लागू हो जाने तथा मूल्यांकन के लिए उपलब्ध हो जाने पर इन करारों को तेजी से लागू करने की अपेक्षा करते हैं। हमारे बीच इस बात पर सहमति हुई है कि क्षेत्राधिकारों एवं विनियामकों को ऐसे समय में एक दूसरे से भिन्न होने में समर्थ होना चाहिए जब गृह देश की विनियामक व्यवस्था का समुचित रूप से सम्मान करते हुए भेदभाव रहित तरीके से समान परिणामों के आधार पर अपनी – अपनी विनियामक एवं प्रवर्तन व्यवस्थाओं के अनुरूप यह उचित हो। हम विनियामकों से आह्वान करते हैं कि वे एफ एस बी एवं ओ टी सी डेरिवेटिव्स विनियामक समूह के साथ मिलकर अतिव्यापी सीमा पारीय विनियामक व्यवस्थाओं एवं विनियामक आर्बिट्रेज से संबंधित शेष मुद्दों को हल करने के लिए अपनी – अपनी समय सीमा के बारे में रिपोर्ट करें।

72. हम बेंचमार्क एवं क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों पर जी-20 के उच्च स्तरीय सेमिनार के परिणामों को नोट करते हैं। हम राष्ट्रीय प्राधिकरणों एवं मानक निर्धारित करने वाले

निकायों से आग्रह करते हैं कि वे एफ एस बी रोड मैप के अनुसरण में क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों पर निर्भरता कम करने की दिशा में अपने काम की गति तेज करें। हम क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के बीच पारदर्शिता एवं प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए और कदम उठाने को भी प्रोत्साहित करते हैं तथा उम्मीद करते हैं कि आई ओ एस सी ओ क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के लिए अपनी आचार संहिता की समीक्षा करेगा। हम वित्तीय बेंचमार्क पर आवश्यक सुधारों के संबंध में कार्य में समन्वय स्थापित करने के लिए एफ एस बी के आधिकारिक क्षेत्र के संचालन समूह की स्थापना का समर्थन करते हैं। हम वित्तीय बेंचमार्क के लिए आई ओ एस सी ओ के सिद्धांतों का समर्थन करते हैं तथा आई ओ एस सी ओ के सिद्धांतों के अनुरूप बैंकिंग उद्योग एवं वित्तीय बाजारों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इन बेंचमार्कों के प्रयोग के लिए आवश्यक सुधारों की उम्मीद करते हैं।

73. हम ठोस हर्जाना प्रथाओं के लिए सिद्धांतों एवं मानकों के कार्यान्वयन पर एफ एस बी की प्रगति रिपोर्ट का स्वागत करते हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करते हैं कि इन मानकों एवं सिद्धांतों को संगत ढंग से लागू किया जाए तथा एफ एस बी से निवेदन करते हैं कि वे अपनी सतत निगरानी को जारी रखें।

74. हम वित्तीय प्रणाली की लोच में वृद्धि करने के लिए लेखा मानक अभिसरण पर सतत कार्य के महत्व को रेखांकित करते हैं। हम अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानक बोर्ड और यू एस वित्तीय लेखा मानक बोर्ड से आग्रह करते हैं कि वे 2013 के अंत तक उच्च स्तरीय लेखा मानकों के एकल सेट को तैयार करने के लिए प्रमुख बकाया परियोजनाओं पर अपना कार्य पूरा करें। हम वित्तीय संस्थाओं से ऐसे जोखिमों के प्रकटन में वृद्धि करने के लिए सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र द्वारा और प्रयास किए जाने को प्रोत्साहित करते हैं, जिनका वे सामना करते हैं जिनमें अधिक प्रकटन पर कार्य बल का सतत कार्य शामिल है।

75. हम वित्तीय पर्यवेक्षण एवं विनियमन के लिए और प्रगति के लिए अपने आह्वान को दोहराते हैं तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं सूचना विनिमय के मानकों का पालन करने को प्रोत्साहित करते हैं।

शैडो बैंकिंग द्वारा प्रस्तुत जोखिमों का समाधान करना

76. हम शैडो बैंकिंग से संबद्ध संभावित प्रणालीगत जोखिमों के निराकरण में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में शैडो बैंकिंग प्रणाली की निगरानी एवं विनियमन के लिए नीतिगत सिफारिशों के विकास में हुई प्रगति का स्वागत करते हैं तथा यह मानते हैं कि बैंक से भिन्न वित्तीय विचौलिए अर्थव्यवस्था को सहायता प्रदान करने के लिए ऋण प्रदान करने में बैंकों का विकल्प प्रदान कर सकते हैं। हम देश विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इन सिफारिशों को समय पर लागू करने की दिशा में काम करेंगे। हम एफ एस बी की संबंधित रिपोर्टों का स्वागत करते हैं तथा स्पष्ट समय सीमा के साथ संगत

शैडो बैंकिंग संस्थाओं एवं गतिविधियों पर काम करने तथा इनके द्वारा प्रस्तुत प्रणालीगत जोखिमों पर उपयुक्त ढंग से व्यापक निगरानी एवं विनियमन को सुदृढ़ करने की दिशा में तेजी से प्रगति करने के लिए एक स्पष्ट रोड मैप (अनुबंध) पर सहमत हैं।

धन शोधन एवं आतंकवाद के वित्त पोषण से निपटना

77. हम धन शोधन एवं आतंकवाद के वित्त पोषण से लड़ने एवं कर अपराध, भ्रष्टाचार, आतंकवाद एवं नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी जैसे अन्य अपराधों को सुलझाने में इसके प्रमुख योगदान पर एफ ए टी एफ के कार्य के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। विशेष रूप से, हम आतंकवाद के वित्त पोषण की खिलाफत करने (सी एफ टी) की खामियों / रणनीतिक धन शोधन प्रतिरोधी (ए एल एम) खामियों से युक्त अधिक जोखिम वाले क्षेत्राधिकारों की पहचान करने एवं निगरानी करने का समर्थन करते हैं, और साथ ही एफ ए टी एफ के मानकों को पूरा करने में देशों की सकारात्मक प्रगति को स्वीकार करने का भी समर्थन करते हैं। हम सभी देशों को प्रोत्साहित करते हैं कि वे कानूनी व्यक्तियों एवं कानूनी व्यवस्थाओं की अपारदर्शिता से उत्पन्न जोखिमों का निराकरण करे और हम ऐसे कदम उठाने का सुनिश्चय करने की प्रतिबद्धता करते हैं जिनके माध्यम से हम कंपनियों के लाभग्राही स्वामियों की पहचान करने तथा अन्य कानूनी व्यवस्थाओं के संबंध में एफ ए टी एफ के मानकों को पूरा करें, जैसा कि ऐसे न्यास जो कर प्रयोजन के लिए भी संगत हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह सूचना कर प्रवर्तन, कर संग्रहण एजेंसियों तथा अन्य संगत प्राधिकरणों को कानूनी अपेक्षाओं के गोपनीयता संबंधी खंडों के अनुसरण में समयबद्ध ढंग से उपलब्ध हो, उदाहरण के लिए केंद्रीय रजिस्ट्री या अन्य उपयुक्त तंत्रों के माध्यम से। हम अपने वित्त मंत्रियों से निवेदन करते हैं कि वे हमारी अगली बैठक तक कंपनियों के लाभग्राही स्वामित्व तथा उदाहरण के लिए जी-20 देशों के नेतृत्व वाले न्यास आदि जैसी अन्य कानूनी व्यवस्थाओं के संबंध में एफ ए टी एफ के मानकों को पूरा करने के लिए उठाए गए कदमों पर अद्यतन स्थिति से हमें अवगत कराएं।

वित्तीय समावेशन, वित्तीय समीकरण, उपभोक्ता संरक्षण

78. हम वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने तथा उपभोक्ता अधिकारिता एवं संरक्षण को एकीकृत करने पर वित्तीय समापन के लिए वैश्विक साझेदारी (जी पी एफ आई) द्वारा की प्रगति का स्वागत करते हैं, विशेष रूप से वित्तीय उपभोक्ता संरक्षण एवं वित्तीय साक्षरता पर केंद्रित जी पी एफ आई उप समूह की स्थापना का हम स्वागत करते हैं। हम जी-20 के बेसिक सेट को जी-20 के वित्तीय समावेशन संकेतकों के अधिक समग्र सेट में शामिल किए जाने और इस प्रकार वित्तीय समावेशन का अधिक सूचित लक्ष्य परिवेश एवं निगरानी समर्थ बनाने का समर्थन करते हैं। हम कार्यान्वयन करने वाले साझेदारों की सहायता का आभार व्यक्त करते हैं जिसमें वित्तीय समावेशन के लिए

गठबंधन (ए एफ आई), गरीबों की सहायता के लिए परामर्श समूह (सी जी ए पी), आई एफ सी, ओ ई सी डी तथा विश्व बैंक शामिल हैं। हम इस घोषणा के साथ संलग्न जी पी एफ आई की रिपोर्ट में प्रतिपादित सिफारिशों का समर्थन करते हैं तथा आस्ट्रेलिया की अध्यक्षता में इन प्रयासों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता करते हैं। हम एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय संस्था के रूप में संगठन को स्थापित करने के लिए ए एफ आई के सदस्यों के विचार – विमर्श का स्वागत करते हैं।

79. विकास, नौकरियों के सृजन तथा गरीबी उन्मूलन को बढ़ावा देने में छोटे एवं मझोले आकार के उद्यमों (एस एम ई) की प्रमुख भूमिका को स्वीकार करते हुए हम एस एम ई वित्तीय चुनौती तथा एस एम ई वित्तीय पहल के कार्यान्वयन तथा ए एफ आई के एस एम ई वित्त पोषण पर कार्य समूह के सहयोग से एस एम ई वित्त पोषण संधि के माध्यम से समकक्ष अध्ययन के लिए सहायता के माध्यम से एस एम ई द्वारा वित्त पोषण तक पहुंच प्राप्त करने में झेली जा रही विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करने के लिए देश के स्तर पर हुई प्रगति का स्वागत करते हैं। जैसा कि एस एम ई वित्त पोषण के संबंध में अंतराल विश्व स्तर पर बहुत बड़ा है इसलिए हम आई एफ आई / डी एफ आई से आग्रह करते हैं कि वे वित्तीय बाजार की अवसंरचना में और सुधार करे और एस एम ई की वित्त पोषण चुनौतियों एवं अड़चनों को दूर करने के लिए नवाचारी साधनों के विकास में सहायता करे।

80. हम ओ ई सी डी / वित्तीय शिक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क (आई एन एफ ई) तथा विश्व बैंक समूह द्वारा विकसित वित्तीय साक्षरता मापने तथा वित्तीय शिक्षा कार्यक्रमों का मूल्यांकन करने के व्यावहारिक उपकरणों का स्वागत करते हैं, युवाओं की वित्तीय साक्षरता को मापने के उपकरणों, जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन के लिए कार्यक्रम (पी आई एस ए) के साथ देशों में इनके व्यापक प्रयोग का समर्थन करते हैं। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हमारी अगली शिखर बैठक तक ओ ई सी डी / आई एन एफ ई द्वारा वित्तीय साक्षरता पर प्रौढ़ों एवं युवाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोर दक्षता रूपरेखाओं को विकसित करने का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। हम ओ ई सी डी / आई एन एफ ई तथा विश्व बैंक समूह द्वारा तैयार की गई वित्तीय समावेशन एवं शिक्षा में महिलाओं एवं युवाओं के लिए बाधाओं पर प्रगति रिपोर्टों का स्वागत करते हैं तथा वित्तीय शिक्षा के लिए महिलाओं एवं लड़कियों की आवश्यकताओं पर ध्यान देने के संबंध में ओ ई सी डी / आई एन एफ ई के नीतिगत मार्गदर्शन का समर्थन करते हैं। हम महिलाओं एवं वित्त पोषण पर प्रगति रिपोर्ट की सिफारिशों का समर्थन करते हैं जिसमें यह भी शामिल है कि जी पी एफ आई, ओ ई सी डी तथा विश्व बैंक समूह महिलाओं के वित्तीय समावेशन में वृद्धि के लिए उदीयमान एवं सफल पहलों का जायजा लेने का कार्य करे। हम रूस द्वारा जी-20 की अध्यक्षता का स्वागत करते हैं तथा वित्तीय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय रणनीतियों पर ओ ई सी डी के प्रकाशन का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि ओ ई सी डी / आई एन एफ ई द्वारा हमारी अगली शिखर बैठक तक वित्तीय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय रणनीतियों के कार्यान्वयन पर एक पालिसी हैंडबुक तैयार की

जाएगी। हम वित्तीय उपभोक्ता संरक्षण पर जी-20 के उच्च स्तरीय सिद्धांतों के कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए प्रभावी दृष्टिकोणों के पहले सेट पर वित्तीय उपभोक्ता संरक्षण पर गठित जी-20 / ओ ई सी डी कार्य बल द्वारा किए गए कार्य का समर्थन करते हैं और 2014 में अन्य सिद्धांतों पर उनकी रिपोर्ट आने की उम्मीद करते हैं। हम फिनको नेट की प्रक्रिया को औपचारिक रूप दिए जाने का संज्ञान लेते हैं और उम्मीद करते हैं कि जल्दी ही यह अपने निष्कर्ष पर पहुंचेगी।

सबके लिए विकास को बढ़ावा देना

81. मजबूत, संपोषणीय, समावेशी एवं लोचपूर्ण विकास का समर्थन करना तथा विकास में व्याप्त अंतराल को सीमित करना नौकरियों एवं विकास के लिए हमारे समग्र उद्देश्य का महत्वपूर्ण अंग है। इस संबंध में, हम इस साल इस मंच के अंदर हुई प्रगति का स्वागत करते हैं, विशेष रूप से निम्नलिखित के संबंध में :

- खाद्य सुरक्षा : सुरक्षित पोषण ज्ञान मंच का समर्थन करना, सामाजिक सुरक्षा संजालों एवं जोखिम प्रबंधन के माध्यम से खाद्य सुरक्षा पर सेमिनार के माध्यम से सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान - प्रदान करना और कृषि क्षेत्र के मुख्य वैज्ञानिकों की दूसरी जी-20 बैठक का आयोजन करना तथा वैश्विक अनुसंधान की प्राथमिकताओं एवं लक्ष्यों की पहचान के लिए इसके चल रहे कार्य को जारी रखना तथा 2014 में परिणाम आधारित कृषि अनुसंधान का समर्थन करना।
- अवसंरचना : अफ्रीका में अवसंरचना के लिए परियोजना तैयार सुविधाओं (पी पी एफ) के मूल्यांकन को पूरा करना; विश्व बैंक तथा ए डी बी द्वारा मझोले एवं बड़े शहरों में शहरी व्यापक परिवहन अवसंरचना परियोजनाओं पर एक टूल किट; और विश्व बैंक, आई डी बी एवं ए डी बी द्वारा सार्वजनिक - निजी साझेदारी (पी पी पी) पर एक स्रोत पुस्तक, तथा अवसंरचना पर उच्च स्तरीय पैनल की सिफारिशों को लागू करने में प्रगति।
- वित्तीय समावेशन : वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ करने से संबंधित प्रयासों को जारी रखने के लिए वित्तीय समावेशन के लिए वैश्विक साझेदारी (जी पी एफ आई) के माध्यम से जी-20 वित्त ट्रैक के साथ सामंजस्य में वृद्धि जिसमें धन के अंतरण की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर औसत लागत को और घटाकर 5 प्रतिशत करना शामिल है। इसमें गरीबों के लिए वित्तीय साक्षरता एवं उपभोक्ता संरक्षण बढ़ाने तथा निवेश के लिए, एस एम ई के लिए, विकास के लिए, नौकरी सृजित करने के लिए और गरीबी उन्मूलन के लिए वित्त पोषण तक् पहुंच को बढ़ावा देने के लिए नवाचारी परिणाम आधारित तंत्र शामिल हैं; और आई एफ सी के साथ मिलकर महिला वित्त हब लांच करना।
- मानव संसाधन विकास : रोजगार के कौशलों के विकास पर वैश्विक सार्वजनिक - निजी ज्ञान साझेदारी मंच को लांच करना तथा एल आई सी में रोजगार के लिए कौशलों पर राष्ट्रीय कार्रवाई योजनाओं तथा कौशल संकेतकों पर डाटा बेस का विकास।
- समावेशी हरित विकास : संपोषणीय विकास के संदर्भ में समावेशी हरित विकास के लिए नीतिगत विकल्पों के गैर परिपेक्षी, स्वैच्छिक टूल किट का और विकास, प्रचार - प्रसार

एवं कार्यान्वयन जिसमें विकासशील देशों के साथ एक कार्यशाला शामिल है, तथा संपोषणीय विकास एवं गरीबी उन्मूलन के लिए समावेशी हरित निवेश पर जी-20 वार्ता मंच की शुरूआत।

- घरेलू संसाधन जुटाना : द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय दोनों तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से विकासशील देशों में, विशेष रूप से एल आई सी में कर प्रशासन सुदृढ़ करने पर सतत कार्य जैसे कि बी ई पी एस पर ओ ई सी डी एवं जी-20 के सदस्यों का कार्य, सूचना का स्वचालित आदान - प्रदान, कर के प्रयोजनार्थ सूचना की पारदर्शिता एवं आदान - प्रदान पर वैश्विक मंच और "सीमा के बगैर कर निरीक्षक" तथा घरेलू संसाधन जुटाने में विकासशील देशों की सामर्थ्य की मदद करने के लिए विश्व बैंक समूह तथा आई एम एफ के कार्य का विस्तार।

82. हम यह मानते हैं कि खाद्य सुरक्षा और पोषण हमारे एजेंडा में शीर्ष प्राथमिकता बने रहेंगे। हम आर्थिक विकास एवं नौकरियों के सृजन को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक खाद्य प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए कृषि उत्पादकता, निवेश तथा व्यापार में तेजी लाने के महत्व को स्वीकार करते हैं। हम भुखमरी, अल्प पोषण तथा कुपोषण को जी-20 के देशों में समन्वय में वृद्धि के माध्यम से और कम करने के लिए कृषि क्षेत्र में चल रहे सभी प्रयासों को प्रोत्साहित करते हैं ताकि उत्पादन एवं उत्पादकता विकास एवं अन्य बातों के साथ पोषण संवेदी नीतियों एवं व्यापक सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों के माध्यम से अरक्षित आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा एवं पोषण में वृद्धि के समर्थन में सामूहिक कार्रवाइयों की पहचान की जा सके एवं लागू किया जा सके। इसमें इस बात पर विशेष बल दिया जाएगा कि कैसे कम आय वाले देशों की सहायता की जा सकती है। हम व्यापार में व्यवधान उत्पन्न किए बगैर खाद्य सुरक्षा से संबंधित वैध सरोकारों पर प्रतिक्रिया करने के लिए डब्ल्यू टी ओ में विचार - विमर्श का समर्थन करते हैं जिसमें अरक्षित आबादी की रक्षा करने के लिए ध्यान से तैयार की गई नीतियों से संबंधित चर्चा शामिल है। हम यह मानते हैं कि कृषि बाजार की स्थिति पर और बारीकी से ध्यान देने की जरूरत है तथा यह कि कृषि बाजार सूचना प्रणाली (ए एम आई एस) बेहतर पारदर्शिता का सृजन कर रही है तथा अब भी अधिक प्रयासों को पूरी तरह से लागू करने की जरूरत है। हम जी-20 की सभी पिछली प्रतिबद्धताओं एवं विद्यमान पहलों को लागू करने के लिए अपने दृढ़ निश्चय की फिर से पुष्टि करते हैं जिसमें वे प्रतिबद्धताएं भी शामिल हैं जिनका उल्लेख 2011 में जी-20 द्वारा पृष्ठांकित खाद्यान्नों की कीमत की अस्थिरता तथा कृषि पर कार्य योजना में किया गया है।

83. हम जी-20 की विकास संबंधी प्रतिबद्धताओं पर सेंट पीटर्सबर्ग जवाबदेही रिपोर्ट का स्वागत करते हैं, जिसमें उस समय से हुई प्रगति को प्रतिपादित किया गया है जब हमने विकास पर 2010 की सियोल बहुवर्षीय कार्य योजना (एम वाई ए पी) को अपनाया था (अनुबंध)। यह रिपोर्ट प्रदर्शित करती है कि हमारी अनेक विकास प्रतिबद्धताओं को अब लागू कर दिया गया है तथा सीखे गए सबकों की पहचान करती है तथा यह हासिल की गई सफलताओं पर प्रकाश डालती है। जवाबदेही रिपोर्ट निरंतर निगरानी के महत्व को

रेखांकित करती है तथा ऐसे क्षेत्रों की पहचान करती है जहां जी-20 के विकास एजेंडा को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के लिए हमें निश्चित रूप से अपना कार्य जारी रखना चाहिए।

84. इस भावना के साथ, हम सेंट पीटर्सबर्ग विकास दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं, जो हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं, नई पहलों एवं सतत प्रतिबद्धताओं का उल्लेख करता है (अनुबंध)। साझे विकास के लिए 2010 की सियोल विकास सर्वसम्मति की नींव को सुदृढ़ करते हुए यह दृष्टिकोण हमारे भावी कार्य की रूपरेखा तैयार करता है। हम विकास कार्य समूह से निवेदन करते हैं कि वह खाद्य सुरक्षा, वित्तीय समावेशन एवं धन प्रेषण, अवसंरचना, मानव संसाधन विकास तथा घरेलू संसाधन जुटाने संबंधी प्रमुख प्राथमिकताओं के तहत ठोस कदमों पर अपना ध्यान केंद्रित करें और ब्रिसबेन शिखर बैठक में विशिष्ट परिणाम उपलब्ध कराए। हम निम्नलिखित के जरिए अधिक प्रभावी परिणामों के लिए काम करने की प्रथाओं में सुधार लाने की प्रतिबद्धता करते हैं :

- कम प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना जहां कार्रवाई एवं सुधार विकासशील देशों में समावेशी एवं संपोषणीय विकास सुनिश्चित करने के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं;
- विकासशील देशों पर अधिक प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए जी-20 की विभिन्न कार्य धाराओं में नीतिगत समन्वय में वृद्धि करना;
- निगरानी एवं समन्वय में सुधार के लिए अग्रवर्ती जवाबदेही प्रक्रिया को लागू करना तथा हमारे कार्य की अधिक पारदर्शिता का सुनिश्चय करना;
- हितधारकों के साथ भागीदारी एवं साझेदारी का विस्तार करना जारी रखना जिसमें जी-20 से भिन्न देश (विशेष रूप से कम आय वाले देश), अंतर्राष्ट्रीय संगठन, निजी क्षेत्र तथा सभ्य समाज शामिल हैं;
- नई प्राथमिकताओं एवं परिस्थितियों के अनुरूप कार्य करने के लिए लोचपूर्ण दृष्टिकोणों का सुनिश्चय करना।

85. हम 2000 के बाद से सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों (एम डी जी) को प्राप्त करने की दिशा में पर्याप्त प्रगति तथा वैश्विक स्तर पर तथा व्यक्तिगत देशों में, विशेष रूप से अत्यंत गरीबी को दूर करने तथा विकास को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित करने के लिए वैश्विक कार्रवाई को लागू करने में सफलता का स्वागत करते हैं। तथापि, सभी सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावना में भारी अंतर है तथा देशों एवं क्षेत्रों के अंदर भी इसमें अंतर मौजूद हैं। हम विशेष रूप से अपने विकास एजेंडा के कार्यान्वयन तथा मजबूत, संपोषणीय, समावेशी एवं लोचपूर्ण विकास को बढ़ावा देने पर अपने फोकस के माध्यम से सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में प्रगति को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

86. हम 2015 पश्चात विकास एजेंडा को प्रतिपादित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ में चल रहे प्रयासों का समर्थन करते हैं। हम इस प्रक्रिया में सक्रियता से भाग लेने और नई रूपरेखा की दिशा तथा इसके प्रमुख सिद्धांतों एवं विचारों पर विचार - विमर्श में शामिल होने तथा इस प्रक्रिया को समय पर अंजाम देने में प्रभावी ढंग से योगदान करने की प्रतिबद्धता करते हैं। अंतिम परिणाम का निर्धारण एक अंतर्सरकारी प्रक्रिया के माध्यम से

किया जाएगा जिसमें हम सभी भाग लेंगे परंतु अधिक प्रतिभागितापूर्ण कार्य अभी भी चल रहा है। हम 2015 पश्चात विकास एजेंडा पर प्रख्यात व्यक्तियों के उच्च स्तरीय पैनल द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के योगदान का स्वागत करते हैं, जो कुछ स्पष्ट लक्ष्यों को प्रतिपादित करती है। हम संपोषणीय विकास लक्ष्यों पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के खुले कार्य समूह तथा संपोषणीय विकास वित्त पोषण पर विशेषज्ञों की अंतर्सरकारी समिति के सतत कार्य का भी स्वागत करते हैं। हम सहस्राब्दी घोषणा, 2012 के रियो +20 के परिणाम दस्तावेज "भविष्य जिसे हम चाहते हैं", इस्तांबुल घोषणा तथा सबसे विकसित देशों पर संयुक्त राष्ट्र संघ के चौथे सम्मेलन की कार्य योजना तथा आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरण के क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र संघ के अन्य संगत सम्मेलनों एवं शिखर बैठकों के परिणामों में रेखांकित सिद्धांतों के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग समेत सामूहिक कार्रवाई के निर्णायक महत्व पर बल देते हैं।

87. हम भिन्न - भिन्न राष्ट्रीय सच्चाइयों तथा विकास के स्तरों को ध्यान में रखते हुए तथा भयावह गरीबी के उन्मूलन, विकास को बढ़ावा देने एवं संपोषणीय विकास के पर्यावरणीय, आर्थिक एवं सामाजिक आयामों को संतुलित करने पर केंद्रित राष्ट्रीय नीतियों एवं प्राथमिकताओं का सम्मान करते हुए संक्षिप्त, कार्यान्वयन के योग्य तथा मापेय लक्ष्यों के साथ 2015 पश्चात एकीकृत विकास एजेंडा पर सहमति का आह्वान करते हैं। हम यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता करते हैं कि 2015 के बाद जी-20 की गतिविधियां नई विकास रूपरेखा से अधिक संगत होंगी।

88. मानव जीवन के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली तथा आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान डालने वाली नई बीमारियों के प्रादुर्भाव के प्रति त्वरित एवं प्रभावी प्रत्युत्तर में सुधार के लिए हम सभी देशों से आह्वान करते हैं कि वे विश्व स्वास्थ्य संगठन के अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों का अनुपालन सुदृढ़ करें।

89. हम सबसे कम विकसित देशों एवं उत्पादों के लिए ड्यूटी फ्री तथा कोटा फ्री (डी एफ क्यू एफ) बाजार पहुंच पर जी-20 के सदस्यों द्वारा पहले से की गई प्रगति का आभार प्रगट करते हैं।

संपोषणीय ऊर्जा नीति तथा वैश्विक जीन्स बाजार की लोच

90. ऊर्जा तक पहुंच बेहतर जीवन स्तर प्राप्त करने तथा वैश्विक आर्थिक निष्पादन में सुधार लाने की दृष्टि से एक प्रमुख कारक है। विश्वसनीय एवं किफायती ऊर्जा तक पहुंच विकास एजेंडा, गरीबी उन्मूलन एवं सामाजिक समावेशन के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आर्थिक विकास, नौकरियों के सृजन तथा संपोषणीय विकास को तेज करने के लिए पारदर्शी, अच्छी तरह से काम करने वाले, विश्वसनीय ऊर्जा बाजार तथा पर्याप्त निवेश की जरूरत है।

91. बाजार में पारदर्शिता एवं दक्षता को बढ़ावा देने के लिए, हम अधिक स्पष्टता, अधिक पूर्ण एवं व्यापक डाटा, पहुंच में वृद्धि तथा उपलब्धता में सुधार का सुनिश्चय करके और क्षमता निर्माण के लिए सहायता का अनुरक्षण करके संयुक्त संगठन डाटा पहल (जे ओ डी आई) - तेल को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता करते हैं। हम जल्दी से जल्दी जो ओ डी आई - गैस को लांच करने की उम्मीद करते हैं। हम अंतर्राष्ट्रीय गैस एवं कोयला बाजार में पारदर्शिता में वृद्धि के लिए व्यावहारिक कदमों पर मई, 2013 में अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आई ई ए), अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा मंच (आई ई एफ) तथा पेट्रोलियम निर्यातक देश संगठन (ओपेक) द्वारा तैयार की गई दूसरी रिपोर्ट को संज्ञान में लेते हैं। हम आई ई एफ से निवेदन करते हैं कि वे अक्टूबर में जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों की अगली बैठक से पूर्व इन क्षेत्रों में हुई प्रगति पर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

92. हम ऊर्जा से संबंधित मुद्दों पर रिपोर्ट का स्वागत करते हैं जिसमें भौतिक एवं वित्तीय जींस बाजारों के बेहतर कामकाज में सुविधा प्रदान करने के लिए जी-20 के कार्य पर रिपोर्ट शामिल है। हम यथाउपयुक्त पारदर्शिता एवं विनियमन के माध्यम से पी आर ए के कामकाज में सुधार के लिए पी आर ए पर कदम उठाने के लिए वित्त मंत्रियों की प्रतिबद्धता का स्वागत करते हैं, जैसा कि 20 जुलाई, 2013 की उनकी घोषणा में प्रतिपादित किया गया है तथा 2014 में इस पर और अपडेट का हम स्वागत करेंगे। हम वित्त मंत्रियों से यह भी आग्रह करते हैं कि वे कमोडिटी डेरिवेटिव्स मार्केट पर विनियमन एवं पर्यवेक्षण के लिए आई ओ एस सी ओ के सिद्धांतों के समुचित कार्यान्वयन की नियमित आधार पर निगरानी करें तथा विस्तृत प्रकाशन एवं समेकित मुफ्त ब्याज डाटा तक अबाध पहुंच को प्रोत्साहित करते हैं।

93. हम अपने देशों में वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों की दीर्घावधिक खुशहाली एवं कल्याण के लिए संपोषणीय विकास, ऊर्जा दक्षता, समावेशी हरित विकास तथा स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों एवं ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने पर केंद्रित प्रयासों का स्वागत करते हैं। हम संपोषणीय विकास, स्वच्छ ऊर्जा तथा ऊर्जा दक्षता एवं संबंधित प्रौद्योगिकियों के विकास, तैनाती एवं व्यापक अनुप्रयोग के संबंध में राष्ट्रीय अनुभवों एवं केस स्टडीज को अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ साझा करने में सहयोग को जारी रखेंगे तथा स्वैच्छिक आधार पर समतुल्य नीतिगत विकल्पों एवं प्रौद्योगिकियों पर कार्य को आगे बढ़ाएंगे। हम 'सभी के लिए संपोषणीय ऊर्जा भविष्य की दिशा में' नामक विश्व बैंक की नई रिपोर्ट का संज्ञान लेते हैं जिसका उद्देश्य विकासशील देशों में विश्वसनीय एवं किफायती ऊर्जा तक पहुंच को बढ़ावा देना है तथा आधुनिक जैव ऊर्जा के संपोषणीय एवं जिम्मेदार उत्पादन और प्रयोग के महत्व तथा इस संबंध में वैश्विक जैव ऊर्जा साझेदारी (जी बी ई पी) द्वारा निभायी गई भूमिका को स्वीकार करते हैं।

94. हम अदक्ष जीवाश्म ईंधन सब्सिडी को तर्क संगत बनाने तथा धीरे - धीरे समाप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करते हैं, जो मध्यम अवधि में अपव्ययी

खपत को प्रोत्साहन देती है और साथ ही हम सबसे गरीब लोगों के लिए लक्षित सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता के प्रति सजग हैं। हम जी-20 के कुछ देशों में चल रहे प्रयासों का स्वागत करते हैं, जैसा कि देश विशिष्ट प्रगति रिपोर्टों में वर्णन किया गया है। हम स्वैच्छिक समकक्ष समीक्षा प्रक्रिया के लिए प्रणाली विज्ञान के विकास तथा देश के स्वामित्व वाली समकक्ष समीक्षाओं की शुरूआत का स्वागत करते हैं तथा हम अधिक पारदर्शिता एवं जवाबदेही के एक बहुमूल्य माध्यम के रूप में इन समीक्षाओं में विस्तृत आधार पर स्वैच्छिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं। हम अपने वित्त मंत्रियों से निवेदन करते हैं कि वे स्वैच्छिक समकक्ष समीक्षाओं के पहले चक्र के परिणामों के बारे में हमारी अगली शिखर बैठक तक हमें सूचित करें। जरूरतमंद लोगों को आवश्यक ऊर्जा सेवाएं उपलब्ध कराने के महत्व को स्वीकार करते हुए हम अपने वित्त मंत्रियों से निवेदन करते हैं कि वे संगत अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिलकर सबसे अरक्षित समूहों के लिए पहुंच तक सुनिश्चय करने के लिए सामाजिक सुरक्षा संजालों का सुदृढ़ीकरण समेत संक्रमणकालीन नीतियां तैयार करने के लिए नीतिगत विकल्पों पर विचार करें।

95. वैश्विक विकास एवं प्रगति में सहायता प्रदान करने के लिए आने वाले वर्षों में ऊर्जा अवसंरचना में जी-20 के देशों में तथा अन्य देशों में निजी स्रोतों से निवेश समेत भारी निवेश की जरूरत होगी। विशेष रूप से स्वच्छ एवं संपोषणीय विद्युत अवसंरचना में अधिक स्मार्ट एवं लो कार्बन ऊर्जा अवसंरचना में अधिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए विद्यमान अड़चनों का मूल्यांकन करना तथा अवसरों की पहचान करना हमारे साझे हित में है। इस संबंध में, हम जी-20 ऊर्जा संपोषणीय कार्य समूह (ई एस डब्ल्यू जी) के साथ निजी क्षेत्र एंव बहुपक्षीय विकास बैंकों की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं तथा 2014 में इस आधार पर एक वार्ता शुरू किए जाने का आहवान करते हैं जो ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश में रूकावट पैदा करने वाले कारकों पर विचार - विमर्श करने के लिए इच्छुक सार्वजनिक क्षेत्र, बाजार के खिलाड़ियों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को एक मंच पर लाएगी, जिसमें स्वच्छ एवं ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकियां शामिल हैं तथा संपोषणीय, किफायती, दक्ष एवं सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए अपेक्षित संभावित उपायों का ब्यौरा तैयार किया जाएगा।

96. अन्य नीतिगत उत्तोलकों में विनियम निवेश के लिए समुचित परिप्रेक्ष्य का सृजन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस बात को नोट करते हुए कि विनियामक भूमिकाएं देश दर देश भिन्न - भिन्न होती हैं तथा यह कि विनियम संबंधित देश के नेतृत्व वाली प्रक्रिया होती है परंतु कुछ मामलों में इसे क्षेत्रीय एकीकरण प्रक्रिया में साझा किया जाता है, हम विनियामक संघों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा समर्थित इच्छुक जी-20 राष्ट्रीय ऊर्जा क्षेत्र विनियामकों के बीच वार्ता का स्वागत करते हैं तथा उस वक्तव्य का संज्ञान लेते हैं जिसे उन्होंने ऊर्जा अवसंरचना में स्वस्थ विनियम एवं निवेश को बढ़ावा देने पर प्रदान किया है जिस पर कजान में जी-20 आउटरिच ऊर्जा विनियामक गोलमेज में सहमति हुई थी। ऊर्जा अवसंरचना में, उल्लेखनीय रूप से

स्वच्छ, किफायती एवं संपोषणीय ऊर्जा में निवेश को बढ़ावा देने के लिए तथा सभी इच्छुक पक्षों को शामिल करने के लिए अपने प्रयासों के संदर्भ में हम इच्छुक विनियामकों को प्रोत्साहित करते हैं कि वे अपनी वार्ता जारी रखें तथा ई एस डब्ल्यू जी से निवेदन करते हैं कि वे इस वार्ता का संज्ञान लें।

97. अनेक देश अपने ऊर्जा मिश्रण एवं प्रयोग में सुधार करने का प्रयास कर रहे हैं, जैसे कि नवीकरणीय और/या परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देकर। परमाणु ऊर्जा लो कार्बन विकल्प है परंतु यह पूंजी गहन है और इसके साथ परमाणु सुरक्षा, संरक्षा एवं सुरक्षोपाय / अप्रसार की जिम्मेदारियां जुड़ी हैं। जी-20 के देशों को, चाहे वे नौसिखिए हों या स्थापित परमाणु ऊर्जा उत्पादक हों, मजबूत परमाणु सुरक्षा तथा परमाणु संरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए परमाणु सुरक्षा के सर्वोच्च संभव स्तर के लिए प्रयास करना चाहिए तथा जैसा कि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आई ए ई ए) की परमाणु सुरक्षा पर कार्य योजना में आह्वान किया गया है, हम वैश्विक परमाणु बाध्यता व्यवस्था प्राप्त करने की दिशा में बहुपक्षीय सहयोग को प्रोत्साहित करते हैं।

98. हम जी-20 वैश्विक मरीन पर्यावरण संरक्षण (जी एम ई पी) पहल की स्थापना के बाद से हुई प्रगति की सराहना करते हैं तथा समुद्री पर्यावरण की रक्षा करने के लिए, विशेष रूप से आफशोर तेल एवं गैस अन्वेषण एवं विकास तथा समुद्री परिवहन से संबंधित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तथा उनके परिणामों से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर की सर्वोत्तम प्रथाओं के स्वैच्छिक आदान - प्रदान के लिए जी एम ई पी तंत्र के प्रमुख अवयव के रूप में जी एम ई पी पहल की वेबसाइट शुरू किए जाने का स्वागत करते हैं। हम प्रतिभागियों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करते हैं कि वे इस वेबसाइट का भरपूर उपयोग करें और जी एम ई पी के अधिदेशों के अनुसरण में संगत अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर जी-20 के तत्वावधान में संगत सूचनाओं को साझा करें।

99. हम लोचपूर्ण ऊर्जा बाजरों के माध्यम से वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा एजेंडा को आगे बढ़ाने में बहुपक्षीय सहयोग एवं समन्व्य के महत्व को स्वीकार करते हैं तथा गैर सदस्यों के साथ अपनी भागीदारी को गहन करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के वर्तमान प्रयासों का स्वागत करते हैं और इस संबंध में हम प्रगति की निगरानी करेंगे।

जलवायु परिवर्तन के विरूद्ध लड़ाई को आगे बढ़ाना

100. विश्व अर्थव्यवस्था पर जलवायु परिवर्तन का महत्वपूर्ण प्रभाव जारी रहेगा तथा अतिरिक्त कदम उठाने में हम जितना विलंब करेंगे उतना ही अधिक हमें कीमत चुकानी पड़ेगी। हम जलवायु परिवर्तन से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं तथा संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के पक्षकारों के 18वें सम्मेलन के परिणाम का स्वागत करते हैं। हम कानकून, डरबन तथा दोहा के परिणामों को पूर्ण रूप से कार्यान्वित करने

के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा सीओपी-19 के सफल परिणाम को प्राप्त करने की दिशा में आगामी अध्यक्ष पोलैंड के साथ काम करेंगे।

101. हम जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र रूपरेखा अभिसमय (यू एन एफ सी सी सी) तथा इसकी सतत वार्ता के तहत सहमत परिणामों के पूर्ण कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सीओपी-21 के दौरान 2015 तक सभी पक्षकारों पर लागू अभिसमय के तहत कानूनी बल के साथ किसी प्रोटोकाल, अन्य कानूनी लिखत या किसी सहमत परिणाम के सफल अंगीकरण की दिशा में 2014 के दौरान राजनीतिक इच्छा शक्ति जुटाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रयासों का स्वागत करते हैं, जिसे आयोजित करने के लिए फ्रांस तैयार है। हम बहुपक्षीय उपायों के माध्यम से पूरक पहलों का भी समर्थन करते हैं जिसमें आर्थिक दृष्टि से व्यवहार्य एवं तकनीकी दृष्टि से संभव विकल्पों की जांच के आधार पर हाइड्रो फ्लोरोकार्बन (एच एफ सी) के उत्पादन एवं उपभोग को धीरे - धीरे बंद करने के लिए मांट्रियल प्रोटोकाल की संस्थाओं एवं विशेषज्ञता का प्रयोग करना शामिल है। हम उत्सर्जनों के लेखाकरण एवं रिपोर्टिंग के लिए यू एन एफ सी सी सी एवं इसके क्योटो प्रोटोकाल के कार्य क्षेत्र के अंदर एच एफ सी को शामिल करना जारी रखेंगे।

102. पिछले वर्ष में हुई प्रगति को ध्यान में रखते हुए हम हरित जलवायु निधि (जी सी एफ) को साकार करने का समर्थन करते हैं। हम यू एन एफ सी सी सी के उद्देश्यों, प्रावधानों एवं सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी ढंग से जलवायु वित्त पोषण जुटाने के तरीकों पर जी-20 देशों के अनुभवों पर जी-20 जलवायु वित्त पोषण अध्ययन समूह की रिपोर्ट का स्वागत करते हैं। जलवायु वित्त पोषण से संबंधित मुद्दों का विस्तार से उल्लेख करने तथा दृष्टिकोणों की पहचान करने के प्रयोजन से हम अपने वित्त मंत्रियों से निवेदन करते हैं कि वे कार्य समूह की रिपोर्ट को सुदृढ़ करने का काम जारी रखें और एक साल में हमें रिपोर्ट करें।

भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई को तेज करना

103. भ्रष्टाचार संपोषणीय आर्थिक विकास एवं गरीबी उन्मूलन में गंभीर रूकावट है तथा यह समग्र रूप में वित्तीय स्थिरता एवं अर्थव्यवस्था के लिए खतरा पैदा कर सकता है। भ्रष्टाचार आम जनता के विश्वास को समाप्त करता है, संसाधनों के आबंटन को पथभ्रष्ट करता है तथा कानून के शासन को कमजोर करता है। भ्रष्टाचार से प्रभावित देशों की आर्थिक क्षमता को संकुचित करने वाले कारकों की बेहतर समझ उपलब्ध कराने के लिए हम भ्रष्टाचाररोधी तथा आर्थिक विकास पर पेपर के अंक उपलब्ध करा रहे हैं और ओ ई सी डी को प्रोत्साहित करते हैं कि वे विश्व बैंक के साथ मिलकर इस क्षेत्र में काम करना जारी रखें।

104. विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह के रूप में जी-20 में भ्रष्टाचार के प्रति असहयता की वैश्विक संस्कृति की दिशा में न रूकने वाली गति पैदा करने की क्षमता है। हम विशेष रूप से पारदर्शिता में वृद्धि करके और कार्यान्वयन एवं प्रवर्तन के अंतरालों

को समाप्त करके इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपने प्रयासों को फिर से दोगुना करेंगे।

इस संबंध में :

105. हम सऊदी अरब द्वारा भ्रष्टाचार के विरूद्ध संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (यू एन सी ए सी) की अभिपुष्टि का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। हम यू एन सी ए सी की पुष्टि करने तथा इसे लागू करने के लिए जी-20 के सभी सदस्य देशों को प्रोत्साहित करना जारी रखेंगे तथा यथाउपुयक्त ओ ई सी डी घूसरोधी अभिसमय के संभावित अनुपालन का पता लगाने के विचार से घूसखोरी पर ओ ई सी डी कार्य समूह के साथ भागीदारी को प्रोत्साहित करेंगे। हम यू एन सी ए सी समीक्षा तंत्र के विचारार्थ विषयों के विकल्पों का स्वेच्छा के आधार पर प्रयोग करके यू एन सी ए सी की अपनी समीक्षाओं की पारदर्शिता एवं समावेशीपन में वृद्धि करके उदाहरण बनकर नेतृत्व करने की प्रतिबद्धता करते हैं।

106. हम घरेलू एवं विदेशी घूसखोरी तथा अनुनय से लड़ने के लिए अपने दृढ़ निश्चय को दोहराते हैं तथा विदेशी घूसखोरी अपराध के प्रवर्तन पर गैर बाध्यकारी मार्गदर्शक सिद्धांतों तथा अनुनय से लड़ने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों का समर्थन करते हैं।

107. हम भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई में जी-20 सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए रूपरेखाओं को विकसित करने एवं सुदृढ़ करने का कार्य जारी रखेंगे। हमने राष्ट्रीय कानूनों एवं विनियमों के अनुसरण में भ्रष्ट अधिकारियों तथा उन्हें भ्रष्ट करने वाले लोगों को अपने देशों में घुसने न देने के लिए सूचना को साझा करने एवं सहयोग करने के लिए एक जी-20 नेटवर्क स्थापित किया है। भ्रष्टाचार के अपराधों की जांच एवं अभियोजन में तथा भ्रष्टाचार की आय की वसूली में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में वृद्धि के लिए हम परस्पर कानूनी सहायता पर उच्च स्तरीय सिद्धांतों का समर्थन करते हैं।

108. हम न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सुनिश्चय करने तथा विसिल ब्लोवर की सुरक्षा से संबंधित कानून को लागू करने एवं सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए, किसी अनुचित दखलंदाजी के बगैर भ्रष्टाचाररोधी प्राधिकारियों की कारगरता सुनिश्चित करने और सरकारी अधिकारियों की निष्ठा को बढ़ावा देने संबंधी अपनी प्रतिबद्धता को नवीकृत करते हैं।

109. हम भ्रष्टाचार के प्रति असहयता की संस्कृति सृजित करने एवं सुदृढ़ करने के लिए प्रभावी भ्रष्टाचाररोधी शिक्षा कार्यक्रम के संबंध में जागरूकता बढ़ाने एवं लागू करने पर भी अधिक महत्व देते हैं।

110. हम भ्रष्टाचार की खिलाफत के क्षेत्र में एफ ए टी एफ के सतत कार्य के लिए अपना समर्थन व्यक्त करते हैं। भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए धन शोधन रोधी (ए एम एल) / आतंकवाद के वित्त पोषण की खिलाफत (सी एफ टी) के उपायों का उत्तोलन जी-20

एवं एफ ए टी एफ की भ्रष्टाचाररोधी विशेषज्ञों के बीच बढ़ते सहयोग का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बना रहेगा तथा कर अपराधों के विरूद्ध सहयोग में वृद्धि की जाएगी, टैक्स हैवन द्वारा प्रस्तुत संकटों का समाधान किया जाएगा।

111. हम अधिक जोखिम वाले सेक्टरों में भ्रष्टाचार से लड़ने पर विशेष ध्यान देंगे। हम खेल, संस्कृति तथा अन्य प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन में भ्रष्टाचार से लड़ने के प्रयासों की सराहना करते हैं तथा खेलों में निष्ठा के लिए वैश्विक गठबंधन विकसित करने की पहल का स्वागत करते हैं। हम सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के बीच खरीदने एवं बेचने के संबंधों में निष्ठा को बढ़ावा देने की भी प्रतिबद्धता करते हैं, जिसमें सार्वजनिक प्रापण एवं राज्य के स्वामित्व वाली संपत्तियों का निजीकरण शामिल है। हम उन पहलों का स्वागत करते हैं जिनका उद्देश्य निष्कर्षण में पारदर्शिता बढ़ाना है जिसमें निष्कर्षण उद्योग पारदर्शिता पहल (ई आई टी आई) में स्वैच्छिक भागीदारी शामिल है तथा इस संबंध में हुई प्रगति का संज्ञान लेते हैं। हम इस मुद्दे पर और कार्रवाई करने के लिए जी-20 के भ्रष्टाचाररोधी कार्य समूह से निवेदन करते हैं।

112. हम इस बात को स्वीकार करते हैं कि भ्रष्टाचार के प्रति असहयता की संस्कृति तभी प्राप्त होगी जब हम व्यवसाय जगत एवं सभ्य समाज के साथ मिलकर काम करेंगे। हम जी-20 के भ्रष्टाचाररोधी कार्य समूह तथा बी-20 तथा सी-20 के बीच वार्ता में वृद्धि को बनाए रखने एवं सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्धता करते हैं तथा इन दो समूहों की सिफारिशों का संज्ञान लिया है। विशेष रूप से, हम भ्रष्टाचाररोधी सामूहिक कार्रवाई में वृद्धि करने तथा निजी क्षेत्र में भ्रष्टाचाररोधी अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए संस्थानिक व्यवस्थाएं विकसित करने के लिए व्यवसाय जगत की पहलों का स्वागत करते हैं।

113. हम उस प्रगति का स्वागत करते हैं जिसे जी-20 का भ्रष्टाचाररोधी कार्य समूह 2013-14 की अपनी कार्य योजना को लागू करने की दिशा में कर रहा है तथा इसकी प्रगति रिपोर्ट की सराहना करते हैं जिसे इस वक्तव्य के साथ संलग्न किया गया है। इस बात को स्वीकार करते हुए कि भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई के लिए स्थाई, समवेत प्रयास की जरूरत होती, हम ए सी डब्ल्यू जी के कार्य के मार्गदर्शन करने तथा कार्य योजनाओं को आधार उपलब्ध कराने के लिए सेंट पीटर्सबर्ग सामरिक रूपरेखा का समर्थन करते हैं। 2014 में हम अपनी विद्यमान प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाएंगे तथा भ्रष्टाचार के विरूद्ध विश्वव्यापी संघर्ष पर जी-20 की आगे की कार्रवाइयों पर विचार करेंगे।

उपसंहार

114. हम जी-20 की अध्यक्षता करने के लिए तथा सेंट पीटर्सबर्ग शिखर बैठक के सफल आयोजन के लिए रूस का धन्यवाद करते हैं तथा हम आस्ट्रेलिया की अध्यक्षता में नवंबर, 2014 में ब्रिसबेन में अपनी अगली बैठक की उत्सुकता से प्रतीक्षा करेंगे।